कइलगा

तोलोङ सिकि में कुँड़ुख़ प्रवेशिका

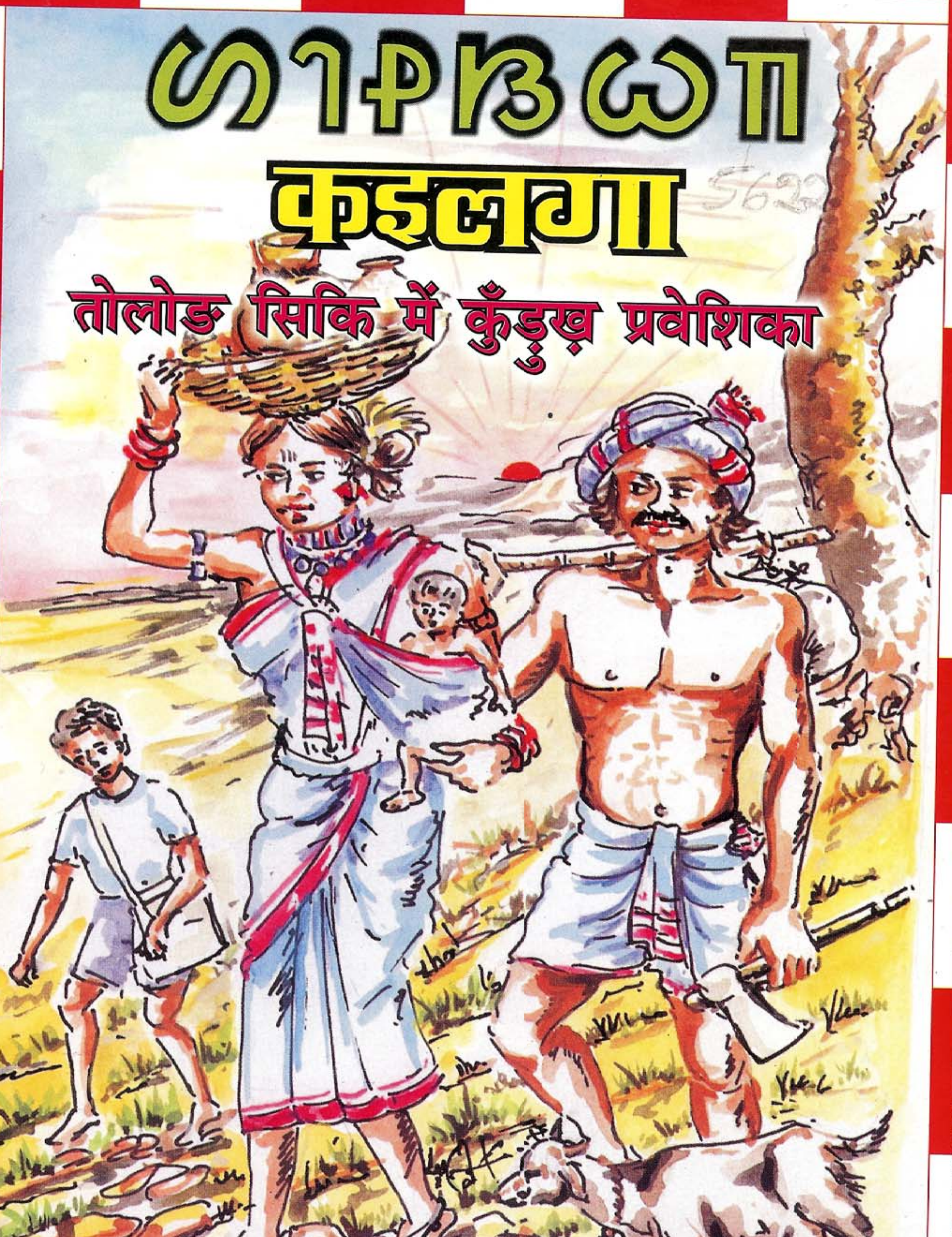

5622

कइलगा

KAILGA

तोलोङ सिकि में कुँड़ुख़ प्रवेशिका

लेखक एवं अन्वेषक : ***डॉ० नारायण उराँव "सैन्दा"***

M.B.B.S., FCGP, PGDMCH.

स्थायी पता : ग्राम – सैन्दा, पोस्ट – छारदा,
थाना – सिसई, जिला – गुमला (झारखण्ड)
मो० नं० – 09771163804

पहला संस्करण : 12 मई 1998
दूसरा संस्करण : 01 जुलाई 1999
तीसरा संस्करण : 15 नवम्बर 2000
चौथा संस्करण : 08 अप्रैल 2008 (सरहुल)
पाचवाँ संस्करण : 15 सितम्बर 2013 (करम)
छठवाँ संस्करण : 20 नवम्बर 2017

सर्वाधिकार – लेखक

शोध संकलन – Tribal Research Analysis Communication & Education (TRACE), Ranchi - 8
एवं
सिरासिता प्रकाशन, राँची – 8

द्वारा अनुमोदित : 1. अखिल भारतीय तोलोङ सिकि प्रचारिणी सभा, राँची
2. अद्दी कुँड़ुख़ चा:ला धुमकुड़िया पड़हा अखड़ा, राँची

प्रकाशक एवं वितरक : **सत्य भारती**
पुरुलिया रोड,
पो० बॉक्स न० – 2
राँची – 834001

दो शब्द

झारखण्ड का जनजातीय समाज विकास की गति में जुड़ गया है । किसी भी समाज की रीढ़ शिक्षित समाज ही होता है । झारखण्ड के मूल निवासी जनजातीय समाज में कुँडुख़ (उराँव) समाज शिक्षा के क्षेत्र में काफी आगे निकल गया है । संथाल, एवं हो समाज के प्रबुद्ध भाषाविदों द्वारा बहुत पहले से ही अपनी भाषा के अनुरूप लिपि निर्माण किया है । उल्लेखनीय है कि संथाली भाषा एवं "ऑलचिकि" लिपि को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान मिल गया है। हो जनजातीय समाज ने अपनी लिपि "वाराङचिति" के माध्यम से प० सिंहभूम के सभी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाई प्रारम्भ करने के लिए आन्दोलन चला रखा है । टोण्टो प्रखण्ड में जिला प्रशासन के माध्यम से सुन्दर भवन का निर्माण कराया गया है, जहाँ "वाराङचिति" में कक्षाएँ चलती हैं, शोध कार्य सम्पन्न किये जा रहे हैं एवं पुस्तक लेखन कार्य भी चल रहा है।

कुँडुख़ (उराँव) जनजातीय समाज ने भी अपनी आदि परम्पराओं एवं मान्यताओं को निभाते हुए अपनी लिपि का निर्माण कर लिया है जिसे "तोलोङ सिकि" कहते हैं । लिपि के वर्तमान नवीकृत एवं संशोधित स्वरूप को आधुनिकतम तकनीक Computer एवं Internet में उपलब्ध कराया जा चुका है जिसे दिनांक 03 अप्रील 2007 को राँची विश्वविद्यालय, राँची के केन्द्रीय पुस्तकालय के सभागार में समाज के गण–मान्य धर्म–पालकों, शिक्षाविदों, सांसदों, विधायकों एवं कई विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति में माननीय मंत्री श्री बन्धु तिर्की मानव–संसाधन विकास विभाग झारखण्ड सरकार द्वारा सम्पूर्ण जन–मानस के व्यवहार के लिए लोकार्पित किया गया।

ज्ञातव्य हो कि झारखण्ड सरकार द्वारा वर्ष 2003 में ही "तोलोङ सिकि" को कुडुख (उराँव) भाषा की लिपि स्वीकार कर भारत सरकार नई दिल्ली को संविधान की आठवीं अनुसूचि में शामिल किए जाने हेतु अनुशंसा किया जा चुका है ।

कुडुख़ (उराँव) समाज के लिए "तोलोङ सिकि" का निर्माण कर डॉ० नारायण उराँव "सैन्दा" ने भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में रचनात्मक क्रान्ति ला दी है। इस लिपि को सीखने हेतु प्रवेशिका पुस्तिका के रूप में **"कइलगा"** के चतुर्थ संस्करण को पाकर मुझे अति प्रसन्नता हो रही है।

लिपि निर्माता डॉ० नारायण उराँव "सैन्दा" एवं इस कार्य से जुड़े सभी विद्वतजनों को इस पुस्तक की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ ।

दिनांक – 08.04.2008
(सरहुल)

(डॉ० प्रकाश चन्द्र उराँव)
निदेशक
झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची

आभार

"तोलोङ सिकि" में कुँड़ुख़ प्रवेशिका पुस्तिका "कइलगा" के इस संशोधित संस्करण 2017 हेतु आभार के दो शब्द लिखते हुए मैं आत्म विभोर की अनुभूति कर रहा हूँ। आज से लगभग 28 वर्ष पूर्व सन् 1989 ई० में मेरे मन में आदिवासी भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण तथा विकास की प्रबल भावना थी। यह परिकल्पना, आज साकार होती नजर आ रही है। अपनी कल्पना को मूर्त रूप देने हेतु शोध आधरित मेरे अथक प्रयास को अब आदिवासी समाज की मान्यता मिल रही है। कुँड़ुख़ भाषा--भाषियों ने तो इसे अपनी भाषा की लिपि स्वीकार करते हुए, पठन--पाठन का कार्य आरम्भ कर दिया है। यह प्रयास तब और सार्थक सिद्ध हुआ, जब सन् 2003 ई० में झारखण्ड की राज्य सरकार ने भी इस लिपि को कुँड़ुख़ भाषा की लिपि के रूप में स्वीकार कर लिया। यह हम सभी के लिए खुशी की बात है कि लगभग 15 वर्ष पूर्व, तोलोङ सिकि (लिपि) का कम्प्यूटर वर्जन kellytolong font दिनांक 20 नवम्बर 2002 को कुँड़ुख़ समाज के लिए श्री किसलय जी द्वारा भेंट किया गया।

इस पुस्तिका का छठवाँ संशोधित संस्करण प्रस्तुत करने की आवश्यकता की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकता के भाषाविद् डॉ0 मॉहिदास भट्टाचार्य ने सुझाव दिया कि – किसी भी लिपि में, ध्वनि विज्ञान के अनुसार नासिक्य स्वर ध्वनि एवं नासिक्य व्यंजन ध्वनि, दोनों तरह के ध्वनियों को चिन्हित करने की क्षमता होनी चाहिए। पूर्व संस्करण की इन कमियों को दूर किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भाषा के सम्पूर्ण विकास के लिए उसका नेत्र ग्राह्य रूप यानि उसकी अपनी लिपि का होना आवश्यक है। वर्तमान भूमण्डलीकरण के दौर में *यूनिवर्सल सिस्टम* को अपनाते हुए, अपनी सांस्कृतिक धरोहर को बचाये रखने के लिए अपनी मातृभाषा की शिक्षा आवश्यक है। कुँड़ुख़ भाषा की तोलोङ सिकि की ध्वनि मूलक पहचान को बरकरार रखने हेतु उन्होंने भाषा वैज्ञानिक तथ्यों को स्पष्ट किया और लिपि के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा – देश में राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक बिरासत दोनों आवश्यक है।

उत्तरोत्तर विकास के क्रम में अपने नवीकृत एवं संशोधित स्वरूप में इस पुस्तिका को पाठकों एवं जिज्ञासुओं के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है । संशोधन के इस सोपान तक पहुँचने में विगत दस वर्षों में आयोजित कुँड़ुख भाषा विषयक राजकीय तथा राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों का बड़ा योगदान रहा। कुँड़ुख़ (उराँव) उन्नति समाज, झारखण्ड, कुँड़ुख़ (उराँव) प्रगतिशील समाज, छत्तीसगढ़ तथा कुँड़ुख़ लिटरेरी सोसाईटी, नई दिल्ली, अद्दी कुँड़ुख़ चाःला धुमकुड़िया पड़हा अखड़ा, राँची जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं का प्रयास, अत्यन्त सराहनीय है।

सृजन के इस यज्ञ में डॉ० नारायण भगत, डॉ० हरि उराँव, फा० प्रताप टोप्पो, फा० जेम्स टोप्पो, फा० डॉ० बेनी एक्का, फा० जेफ्रेनियुस बख़ला उर्फ डॉ० एतवा उराँव, फा० इम्मानुएल बखला, फा० क्लेमेन्ट एक्का, डॉ० लक्ष्मण उराँव, डॉ० श्रीमती उषा रानी मिंज, डॉ० श्रीमती शान्ति खलख़ो, श्रीमती गीताश्री उराँव, श्री मरकुस बेक, श्री मंगरा मुण्डा, ई अजीत मनोहर खलख़ो, फा० अगुस्टीन केरकेट्टा, श्री प्रभाकर तिर्की, श्री विनोद कुमार भगत जैसे विद्वतजनों का सतत् सहयोग प्राप्त हुआ।

बिशप डॉ० निर्मल मिंज, कार्डिनल तेलेस्फोर पी० टोप्पो, बिशप निर्दोष लकड़ा, स्व0 डॉ० रामदयाल मुण्डा, डॉ० करमा उराँव, डॉ० प्रकाश चन्द्र उराँव, डॉ० दिनेश उराँव, श्री शिवशंकर उराँव, श्री सरजियस मिंज, स्व० डॉ० फ्रांसिस एक्का एवं स्व० आर० इलांगियन, प बंगाल के मंत्री श्री जेम्स कुजूर को आभार प्रकट करने हेतु मेरे पास शब्दों का अभाव है क्योंकि बिना इनके स्नेहिल आशीर्वाद के यह कार्य अत्यन्त कठिन था।

मैं अत्यन्त आभारी हूँ फा० अगुस्तिन केरकेट्टा का जिनके प्रबंधन क्षमता से यह कार्य सुगम हो गया। इस शोध कार्य को नवीनतम तकनीक में खरा उतारते हुए तकनीकि विकास की शिखर तक पहुँचाने वाले मित्र–बन्धु श्री किसलय जी (कम्प्यूटर प्रोग्रामर) के अतुलनीय योगदान के लिए पूरे कुँड़ुख़ समाज की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपनी मेधा, लगन एवं विवेक से इस लिपि का कम्प्यूटर वर्जन तैयार कर इसे निःशुल्क वेवसाइट तक पहुँचाया। इस ज्ञान यज्ञ के वरीय पुरोधा एवं स्वप्नद्रष्टा श्री मंगरा उराँव तथा श्री मनोरंजन लकड़ा के प्रति आभार तो अत्यंत स्वाभाविक ही है।

सब होते हुए भी यह प्रयास लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाता यदि सत्यभारती प्रकाशन, राँची तथा कैथोलिक प्रेस, राँची के कर्त्तव्यनिष्ठ कर्मियों ने इस कार्य को गंभीरता से न किया होता।

अंत में आभारी हूँ अपने मित्र–बन्धु हेनरी केरकेट्टा का जिन्होंने पुस्तक आवरण पृष्ठ के साथ–साथ, अंतः पृष्ठों को भी अपनी कलात्मकता से सुसज्जित किया तथा चित्रकार श्री लोधेर उराँव द्वारा भी समय–समय पर अपनी कूची का नमूना पेश किया।

आशा है आप सभी कुँड़ुख़ भाषा के विकास में अभिरुचि रखने वाले विद्वतजनों एवं पाठकगणों के लिए, यह नवीकृत संशोधित छठवाँ संस्करण, पूर्व की अपेक्षा और अधिक रुचिकर एवं उत्साहवर्द्धक सिद्ध होगा।

डॉ० नारायण उराँव "सैन्दा"
पाटलीपुत्र मेडिकल कॉलेज
अस्पताल, धनबाद (झारखण्ड)

दिनांक – 20 नवम्बर 2017

शिक्षकों के लिए अनुदेश

1. 'तोलोङ सिकि' अथवा 'तोलोङ लिपि' एक वर्णात्मक लिपि है, इसलिए हलन्त का प्रयोग नहीं होता है। इसे 'रोमन लिपि' की तरह एक के बाद एक लिखा जाता है। यह 'देवनागरी लिपि' में मात्रा चिह्न लगाने की परम्परा से मुक्त है। इस लिपि में, शब्द–खण्ड (Syllable) के आधार पर लिखा एवं पढ़ा जाता है । जैसे – कमहड़। इसे तोलोङ सिकि में इस प्रकार लिखा जाता है – **[illegible]+[illegible] = [illegible].**

2. किसी एक शब्द–खण्ड में, व्यंजन वर्ण के साथ कम से कम एक स्वर वर्ण का होना आवश्यक है। बिना स्वर के शब्द–खण्ड पूरा नहीं होता है। जैसे – **[illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible].**

3. किसी शब्द–खण्ड में एक मात्र स्वर रह सकता है किन्तु एक व्यंजन, स्वर वर्ण के बिना अकेला नहीं रह सकता। जैसे – **[illegible]** (ओ + था), **[illegible]** (ओथोऱ + आ), **[illegible]** (मेसेऱ + आ), **[illegible]** (गछऱ + आ)।

4. वाक्य में, किसी शब्द–खण्ड के साथ स्वर वर्ण के बाद अधिक से अधिक दो व्यंजन वर्ण होते हैं। जैसे – **[illegible] + [illegible] = [illegible]** (बर्ह + मा:रना = बर्हमारना)।

5. यदि किसी शब्द–खण्ड के प्रथम दोनों आरंभिक वर्ण व्यंजन वर्ण हो, तो पहला व्यंजन, द्वितीय व्यंजन के साथ संयुक्त होकर, द्वितीय व्यंजन के स्वर के अनुरूप उच्चरित होता है। जैसे – प्यार – **[illegible]**, क्रिया – **[illegible].**

6. शब्द–खण्ड का अंतिम वर्ण यदि **'अकारान्त'** हो, तो वह स्वर रहित होता है। जैसे – कर्म – **[illegible]**, करम – **[illegible]**, समान – **[illegible].** यहाँ अन्तिम वर्ण म् एवं न् स्वर रहित है, चूंकि शब्द–खण्ड का दोनों अन्तिम वर्ण **'अकारान्त'** है।

7. यह लिपि, जैसा सुनो वैसा लिखो एवं जैसा लिखा हो वैसा पढ़ो के अंतर्राष्ट्रीय ध्वनि विज्ञान के सिद्धांत पर आधारित है। अतएव व्यवहार में जो सरल एवं ध्वनि विज्ञान सम्मत हो, उसका ख्याल रखा गया है। जैसे – अँटना = **[illegible]**, काँटी = **[illegible]**, खँटी = **[illegible]**, खुँटी = **[illegible]**, रँटा = **[illegible]**, राँड़ी = **[illegible]** आदि।

8. **सेला (:)** चिह्न का प्रयोग स्वर के उच्चारण समय को लम्बा करने तथा **हेचका** (**।**) का प्रयोग स्वर को झटके के साथ उच्चारण करने के स्थान पर किया जाता है। जैसे – **[illegible]** (ए:ड़ा) = बकरी, **[illegible]** (ओ:ड़ा) = चिड़िया, **[illegible]** (रअ्ना) = रहना, **[illegible]** (नेअ्ना) = मांगना आदि।

9. मितला (̇) का प्रयोग देवनागरी लिपि के बिन्दु (̇) के स्थान पर होता है अर्थात **मितला** चिह्न अनुनासिक व्यंजन सूचक है। इस चिह्न का प्रयोग व्यवहारिक रूप में "प" वर्ग, "त" वर्ग, "ट" वर्ग, "च" वर्ग एवं "क" वर्ग के निरनुनासिक वर्ण के पहले अस्पष्ट अनुनासिक व्यंजन ध्वनि आये तो, उस अस्पष्ट अनुनासिक व्यंजन ध्वनि के स्थान पर **मितला (̇)** चिह्न दिया जाता है। जैसे – मेंत, चेंठ, पंच, कंक, बोंगा आदि क्रमशः **[illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]** आदि। जहाँ, स्पष्ट अनुनासिक व्यंजन ध्वनि आये, वहाँ वर्गीय वर्णों के पूर्व पंचम वर्ण का ही प्रयोग होता है। जैसे – चम्पा (**[illegible]**), कम्पा (**[illegible]**), कुम्बा (**[illegible]**), लम्बा (**[illegible]**), झण्डा (**[illegible]**), लेण्डा (**[illegible]**), रम्भा (**[illegible]**) आदि।

10. **घेतला** (**'**) चिह्न का प्रयोग, शब्द खण्ड सूचक चिह्न के रूप में किया जाता है। यदि किसी शब्द में प्रथम शब्द–खंड के बाद शब्द–खंड के रूप में स्वर आए तो उसे, पूर्व के शब्द–खंड से अलग दिखलाने के लिए **घेतला** (**'**) चिह्न दिया जाता है। जैसे – पर्दो – **[illegible]**, पर्दओ – **[illegible]**, बन्ना – **[illegible]**, बनना – **[illegible]**.

11. एवाँ (˜) चिह्न का प्रयोग देवनागरी लिपि के चन्द्र बिन्दु (ँ) के स्थान पर होता है अर्थात एवाँ चिह्न अनुनासिक स्वर ध्वनि सूचक है। एवाँ चिह्न का प्रयोग हमेशा ही अनुनासिक स्वर के रूप में होता है तथा दिगहा अनुनासिक स्वर ध्वनि के साथ, सिर्फ एवाँ का प्रयोग होगा। जैसे – **[illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] [illegible].**

12. रेवाँ (‿) चिह्न का प्रयोग, लूप्ताकार र को दिखलाने के लिये किया जाता है। यदि किसी शब्द के अन्त में अकारान्त संयुक्त 'र' हो तो, 'र' के पूर्व वर्ण में **रेवाँ** 'र' (‿) देकर लिखा जाता है, जैसे – राष्ट्र – **[illegible]**, मित्र – **[illegible]**, वक्र – **[illegible]**, चक्र – **[illegible]**, सत्र – **[illegible]**, गोत्र – **[illegible]**.

13. हेचका (**I**) चिह्न का प्रयोग, विकारी अ (Glotal stop) ध्वनि अर्थात हरह के स्थान पर किया जाता है। हेचका हरह अर्थात (Glotal stop) को दिखलाने के लिए *हेचका* (**I**) चिह्न का व्यवहार किया गया है। जैसे – रअ्ना = **[illegible]**, बअ्ना = **[illegible]**, चिअ्ना = **[illegible]**, बिअ्ना = **[illegible]**, नेअ्ना = **[illegible]**, हेअ्ना = **[illegible]**, खेअ्ना = **[illegible]**, होअ्ना = **[illegible]** आदि।

14. यदि य, र, ल, व, स, ह, ख़, ड़, ढ़ आदि के पहले, अनुनासिक ध्वनि हो, तो इन वर्णों के पूर्व के अनुनासिक ध्वनि के स्थान पर, अनुनासिक स्वर ध्वनि सूचक चिह्न

चिह्न ˜ (एवाँ) दिया जाता है। जैसे — [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible] - [illegible], [illegible]; किन्तु कुछ विदेशज शब्दों के प्रयोग में 'स' वर्ण के पूर्व 'न' का भी प्रयोग होता है। जैसे — सन्स = [illegible].

15. कुँड़ुख़ भाषा में ङ् ([illegible]) एवं ञ् ([illegible]) का व्यवहार विशेष रूप से होता है। जैसे, ङ् ध्वनि का प्रयोग — इतङली = [illegible], झिलङी = [illegible], झोलङो = [illegible], ङोङा = [illegible] आदि। इसी तरह ञ् ध्वनि का प्रयोग, जैसे — चिञा = [illegible], चोञा = [illegible], कोञा = [illegible], टईञा = [illegible] आदि।

16. कुँड़ुख़ भाषा में ञ़ ([illegible]) का व्यवहार स्पष्ट रूप से होता है। जैसे, ञ़ ([illegible]) ध्वनि का प्रयोग — मञ़ा = [illegible], मुञ़जा = [illegible], बाञ़लो = [illegible], इञ़िरना = [illegible], बेञ़ेरना = [illegible], मञ़ना = [illegible], मुञ़ुरना = [illegible], दञ़ना = [illegible], गेञ़ना = [illegible] आदि।

17. कुँड़ुख़ भाषा के ध्वनियों को देवनागरी लिपि में लिप्यन्तरन हेतु या उन ध्वनियों को दिखलाने के लिए पूरक चिह्नों का प्रयोग इस प्रकार किया गया है :—

(क) दिगहा सरह (Long Phone) को दिखलाने के लिए *दिगहा ए* एवं *दिगहा ओ* ध्वनि को क्रमवार एः तथा ओः की तरह लिखकर पढ़ा एवं समझा गया है। जैसे — कोंःड़ा—कोंःड़ा, मोःड़ा, ओःड़ा, एःड़ा, तेःला, मोःख़ो आदि।

(ख) हेचका हरह (Glotal stop) को दिखलाने के लिए **'अ्'** चिह्न का व्यवहार किया गया है। जैसे — रअ्ना, बअ्ना, चिअ्ना, नेअ्ना, खेअ्ना, होअ्ना, चोअ्ना आदि।

(ग) कुँड़ुख़ भाषा की उच्चारण विशेषता के लिए घेतला चिह्न (**'**) यानि शब्द खण्ड सूचक चिह्न दिया गया है। जैसे — बरई — बर'ई, कमई — कम'ई इत्यादि।

(घ) कुँड़ुख़ भाषा के शब्दों को, 'रोमन लिपि' में लिप्यन्तरण हेतु 6 (six) vowel concept के सिद्धांत पर आधारित है। इस सिद्धांत के अनुसार छठवाँ vowel के रूप में a के उपर पड़ी लकीर दिया गया है। जैसे – i, e, u, o, a, ā यथा इ, ए, उ, ओ, अ, आ। यहाँ अ = a, आ = ā, अँ = ã, आँ = ā̃ है।

****

तोड़पाब (वर्णमाला, ALPHABET)

(सरह तोड़) = स्वर वर्ण

i इ	e ए	u उ	o ओ	a अ	ā आ

: (सेला) = लम्बी ध्वनि, **~** (एवाँ) = नासिक्य स्वर सूचक, **˷** (रेवाँ) = लुप्ताकार र,
• (मितला) = नासिक्य व्यंजन सूचक, **’** (घेतला) = शब्दखण्ड सूचक, **।** (हेचका) = विकारी अ।

(हरह तोड़) = व्यंजन वर्ण

p प्	ph फ्	b ब्	bh भ्	m म्
t त्	th थ्	d द्	dh ध्	n न्
ṭ ट्	ṭh ठ्	ḍ ड्	ḍh ढ्	ṇ ण्
c च्	ch छ्	j ज्	jh झ्	n̈ ञ्
k क्	kh ख्	g ग्	gh घ्	ṅ ङ्
y य्	r र्	l ल्	v व्	ṇ̣ ञ्
s स्	h ह्	x ख़्	ṛ ड़्	ṛh ढ़्

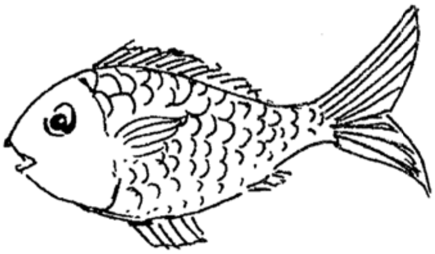	[illegible] इ	[illegible] इञ़जो
	[illegible] ए	[illegible] एड़पा
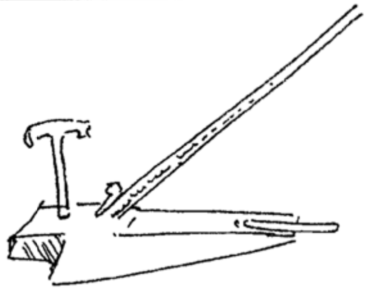	[illegible] उ	[illegible] उगता
	[illegible] ओ	[illegible] ओसगा
	[illegible] अ	[illegible] अल्ला

	[illegible] आ	[illegible] आल
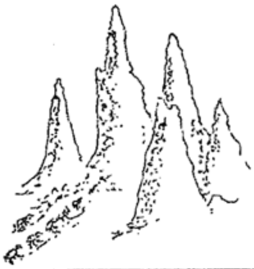	[illegible] इः	[illegible] इःमा
	[illegible] एः	[illegible] एःड़ा
	[illegible] उः	[illegible] उःरू
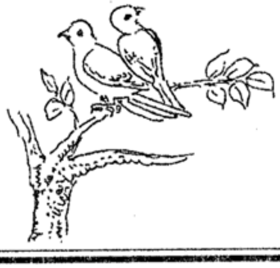	[illegible] ओः	[illegible] ओःड़ा

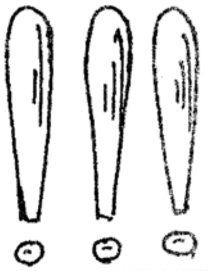	1: अ	1:ß अव
	Π: आः	Π:ꝭ3ꝑ आःली

कुँड़ुख़ सरह (स्वर)
KURUX VOWEL

बइता सरह **(ORAL VOWEL)**		मुँइता सरह **(NASAL VOWEL)**	
सन्नी (SHORT)	दिगहा (LONG)	सन्नी (SHORT)	दिगहा (LONG)
ꝑ – इ	**ꝑ:** – इः	**ꝑ̃** – ईं	**ꝑ̃:** – ईंः
V – ए	**V:** – एः	**Ṽ** – एँ	**Ṽ:** – एँः
ɤ – उ	**ɤ:** – उः	**ɤ̃** – उँ	**ɤ̃:** – उँः
γ – ओ	**γ:** – ओः	**γ̃** – ओं	**γ̃:** – ओंः
1 – अ	**1:** – अः	**1̃** – अँ	**1̃:** – अँः
Π – आ	**Π:** – आः	**Π̃** – आँ	**Π̃:** – आँः

मेसका सरह (DIPTHONGS) :- **1ꝑ, 1ɤ, 1ʖ, 1ß, ꝑɤ, ɤꝑ.**
1̃ꝑ, 1̃ɤ, 1̃ʖ, 1̃ß, ꝑ̃ɤ, ɤ̃ꝑ.

ध्यातव्य :– **:** (सेला) चिह्न का प्रयोग स्वर के उच्चारण समय को लम्बा करने तथा **।** (हेचका) का प्रयोग स्वर को झटके के साथ उच्चारण करने को दर्शाया गया है । स्वर वर्ण के पहले **’** (घेतला चिह्न) रहने का अर्थ उस वर्ण के पहले, शब्द–खण्ड पूरा हुआ समझा जाए ।

	[illegible] प	[illegible] पपला
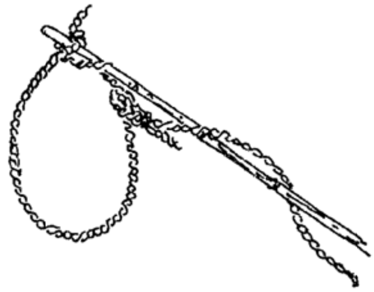	[illegible] फ	[illegible] फँसरी
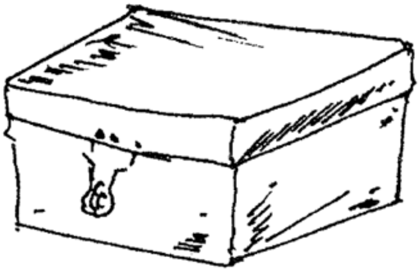	[illegible] ब	[illegible] बक्सा
	[illegible] भ	[illegible] भदड़ी
	[illegible] म	[illegible] मन्न

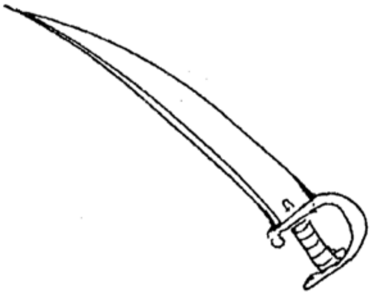	[illegible] त	[illegible] तड़री
	[illegible] थ	[illegible] थड़ा
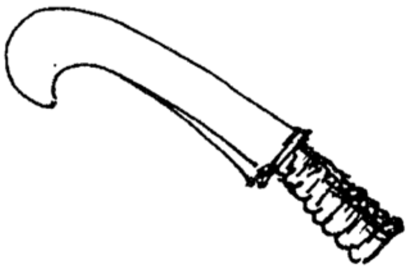	[illegible] द	[illegible] दउली
	[illegible] ध	[illegible] धनु
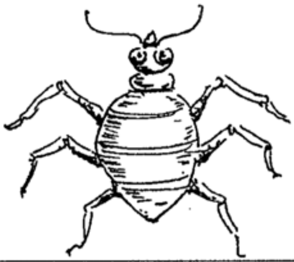	[illegible] न	[illegible] नड़गा

	[illegible] ट	[illegible] टटख़ा
	[illegible] ठ	[illegible] ठरकी
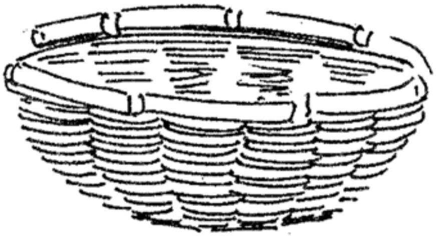	[illegible] ड	[illegible] डउड़ा
	[illegible] ढ	[illegible] ढरा
	[illegible] ण	[illegible] राणु

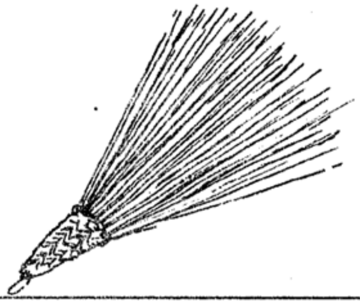	[illegible] च	[illegible] चलकी
	[illegible] छ	[illegible] छटका
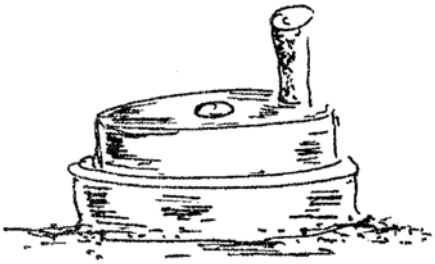	[illegible] ज	[illegible] जता
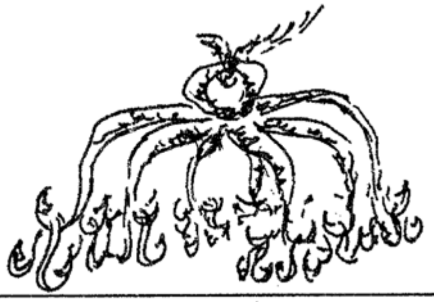	[illegible] झ	[illegible] झगड़
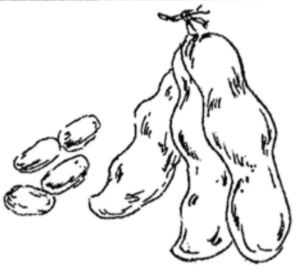	[illegible] ञ	[illegible] चिञा

	[illegible] क	[illegible] ककड़ो
	[illegible] ख	[illegible] खरपा
	[illegible] ग	[illegible] गमछा
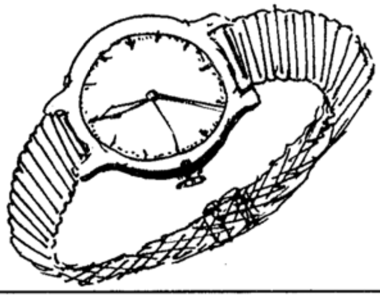	[illegible] घ	[illegible] घड़ी
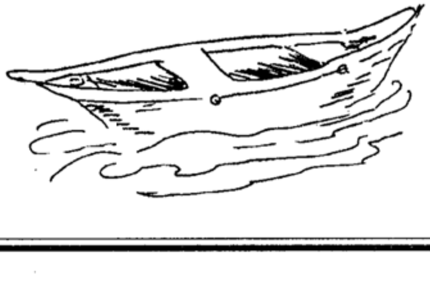	[illegible] ङ	[illegible] डोङा

	[illegible] य	[illegible] किया
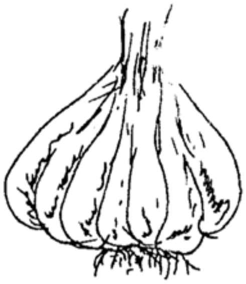	[illegible] र	[illegible] रसड़ी
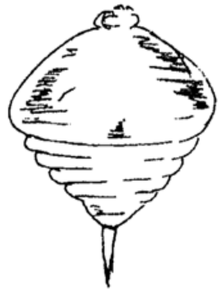	[illegible] ल	[illegible] लट्‌टू
	[illegible] व	[illegible] जवा
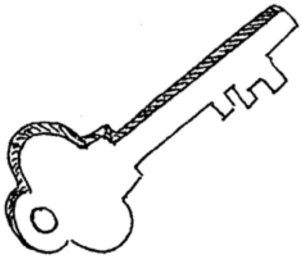	[illegible] ञ़	[illegible] कुञ़ी

	ᱥ स	ᱥᱟᱸᱲᱥᱤ सँड़सी
	ᱦ ह	ᱦᱟᱨᱤᱱ हरिन
	ᱠ ख़	ᱠᱟᱱᱱ ख़न्न
	ᱲ ड़	ᱜᱮᱲᱮ गेड़े
	ᱲᱷ ढ़	ᱜᱟᱲᱷᱮ गढ़े

देशज–विदेशज ध्वनियाँ :– ᱥ̈ = क्ष् – संस्कृत, ᱨ̈ᱤ = ऋ –संस्कृत / हिन्दी
ᱠᱹ = क़ – उर्दू ᱛᱨ = त्र् – हिन्दी, ᱹ = ़ो – संताली
ᱜᱹ = ग़ – उर्दू ᱵᱹ = व़ – अंग्रेजी, ᱥ̈ = ष – संस्कृत / हिन्दी
ᱡᱹ = ज़ – उर्दू ᱟ̆ = ˘ – अंग्रेजी, ᱥᱹ = श – संस्कृत / हिन्दी
ᱯᱹ = फ़ – उर्दू ᱟᱹ = ़ा – संताली, ᱥᱨ = श्र – संस्कृत / हिन्दी

इदहि चिनहाँ / विराम चिन्ह

:	(सेला)	=	लम्बी ध्वनि	LONG PHONE
•	(मितला)	=	नासिक्य व्यंजन सूचक	(NASAL COSONANT INDEX)
’	(घेतला)	=	शब्दखण्ड सूचक	SYLLABLE INDEX
I	(हेचका)	=	विकारी अ	GLOTAL STOP
=	(हिलि)	=	वर्ण के नीचे पड़ी लकीर (लघु)।	
	(हिदि)	=	वर्ण के उपर पड़ी लकीर (गुरू)।	
~	(रेवाँ)	=	लुप्ताकार र।	
	(एवाँ)	=	नासिक्य स्वर सूचक।	NASAL VOWEL INDEX
˚	(फहा)	=	लाघव सूचक।	
˘	(फॉवा)	=	अंगरेजी ऑ सूचक।	
•	(सुला)	=	तल अक्षर सूचक	
,	(उचरी)	=	अर्द्ध विराम	(COMMA)
;	(मिचरी)	=	सेमीकॉलन	(SEMI COMMA)
•	(गहला टुड़ा)	=	पूर्ण विराम	(FULL STOP)
?	(मेनता चिनहाँ)	=	प्रश्न चिह्न	(QUESTION MARK)
!	(हयकट चिनहाँ)	=	विस्मयादिबोध्क चिह्न	(EXCLAMATION)
‘ ’	(ओंदख़ा जला)	=	लघु उद्धरण चिह्न	(SINGLE QUOTES)
“ “	(दोहड़ा जला)	=	दीर्घ उद्धरण चिह्न	(DOUBLE QUOTES)
( )	(सन्नी डेला)	=	छोटा कोष्ठ	(SMALL BRACKET)
{ }	(मझिल डेला)	=	मझला कोष्ठ	(MIDDLE BRACKET)
[ ]	(कोंहा डेला)	=	बड़ा कोष्ठ	(LARGE BRACKET)
+	(जोड़)	=	जोड़ चिह्न	(ADDITION)
-	(घटाव)	=	घटाव चिह्न	(SUBSTRACTION)
×	(गुणा)	=	गुणा चिह्न	(MULTIPLICATION)
÷	(भाग)	=	भाग चिह्न	(DIVISION)
@	(एदर'ओ)	=	की दर से	(AT THE RATE OF)
¨	(इला)	=	इंडियन/लातिनि ध्वनि सूचक	(INDIAN SOUND INDEX)
..	(उफा)	=	उर्दू /फारसी ध्वनि सूचक	(URDU -PHARSI SOUND)

लिखना सीखें

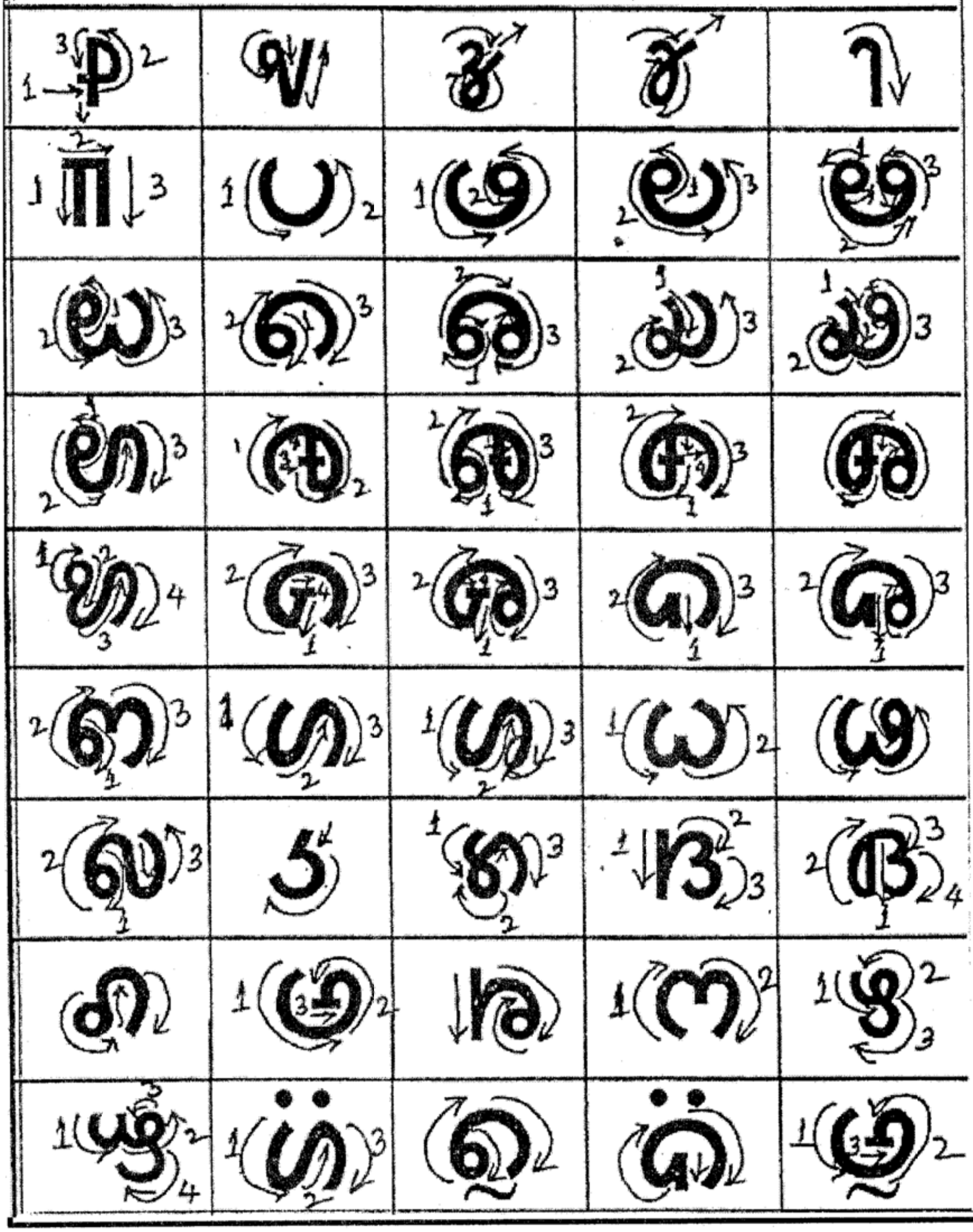

लिखना सीखें

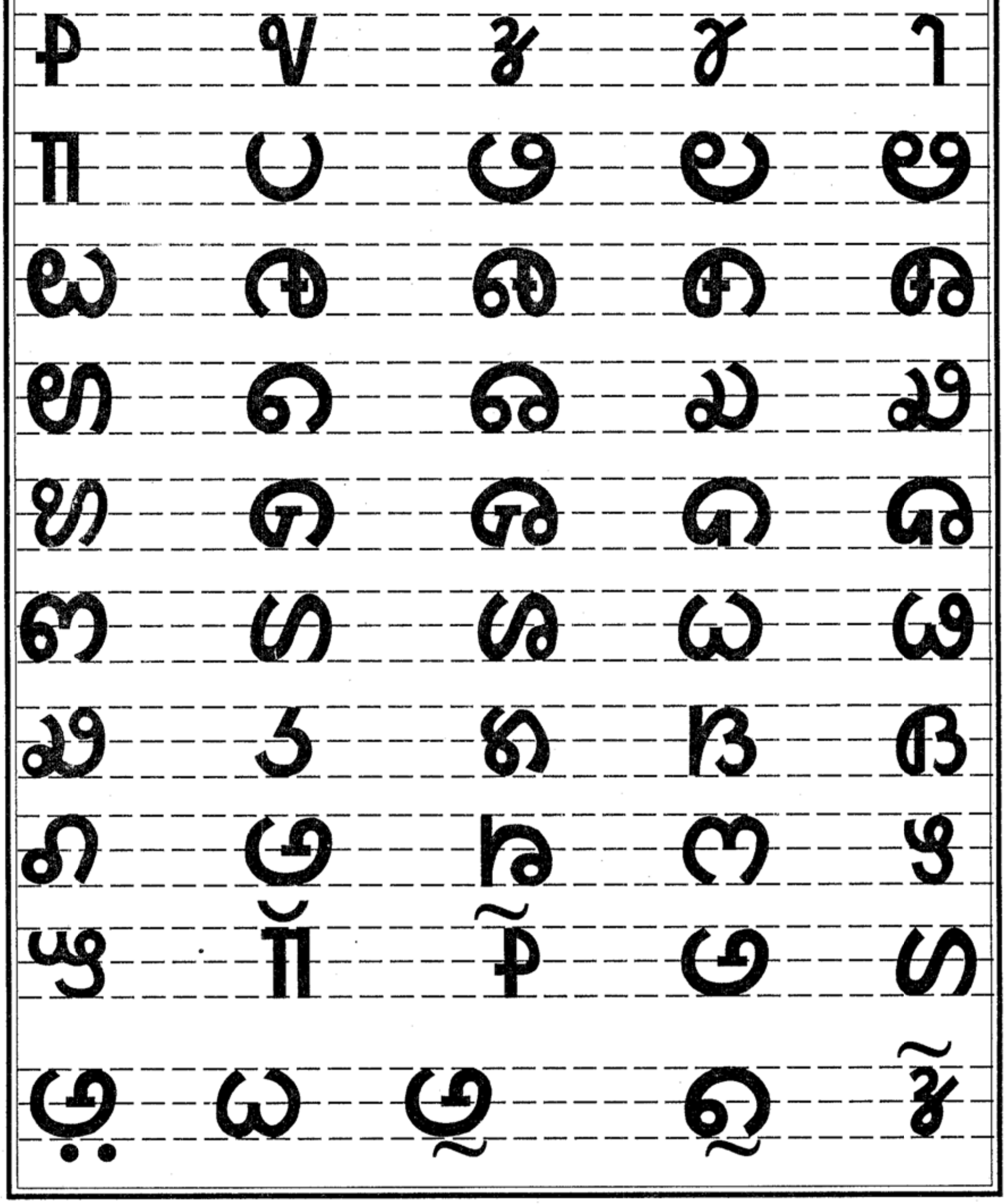

हेभेरना (अभ्यास)

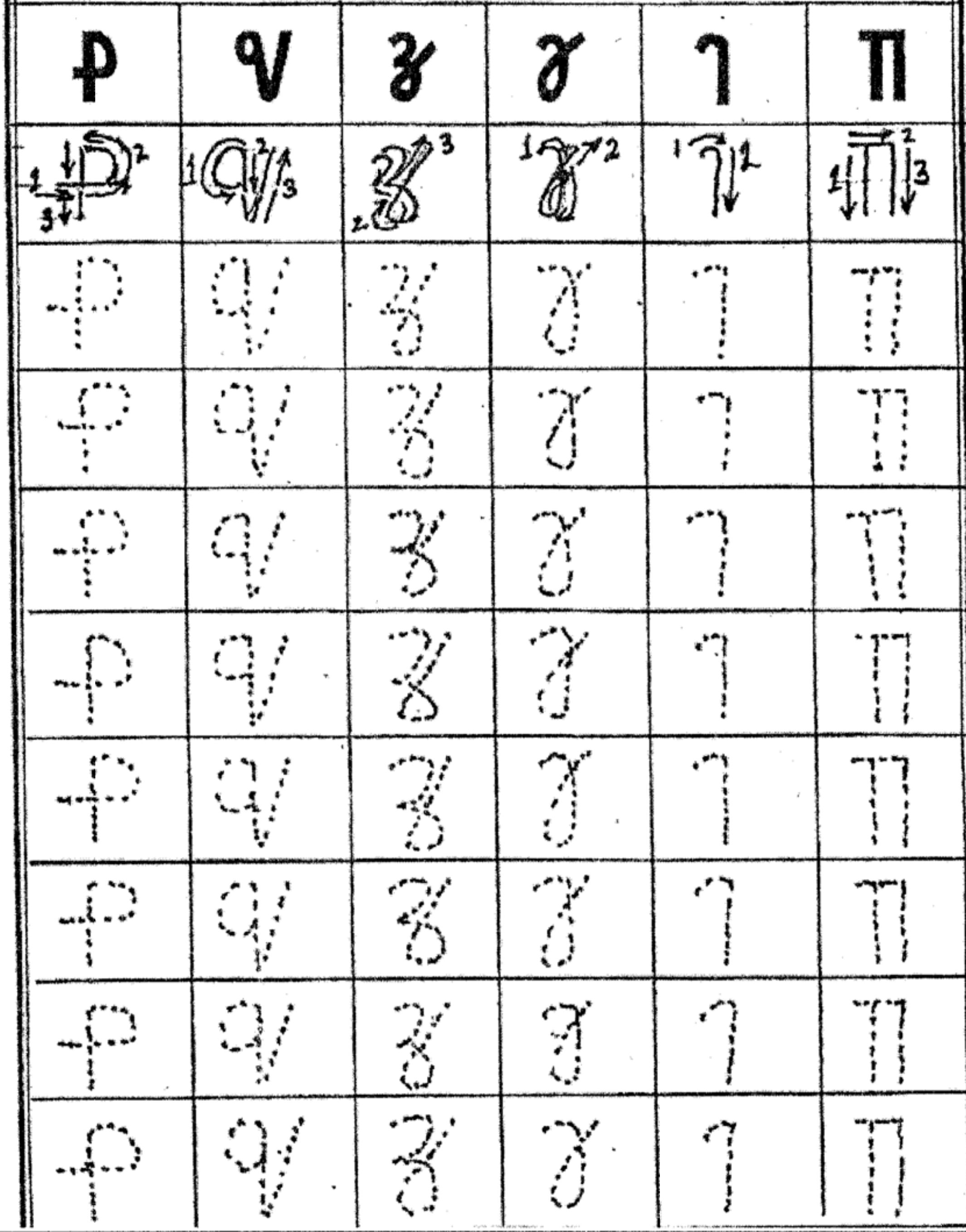

हेभेरना (अभ्यास)

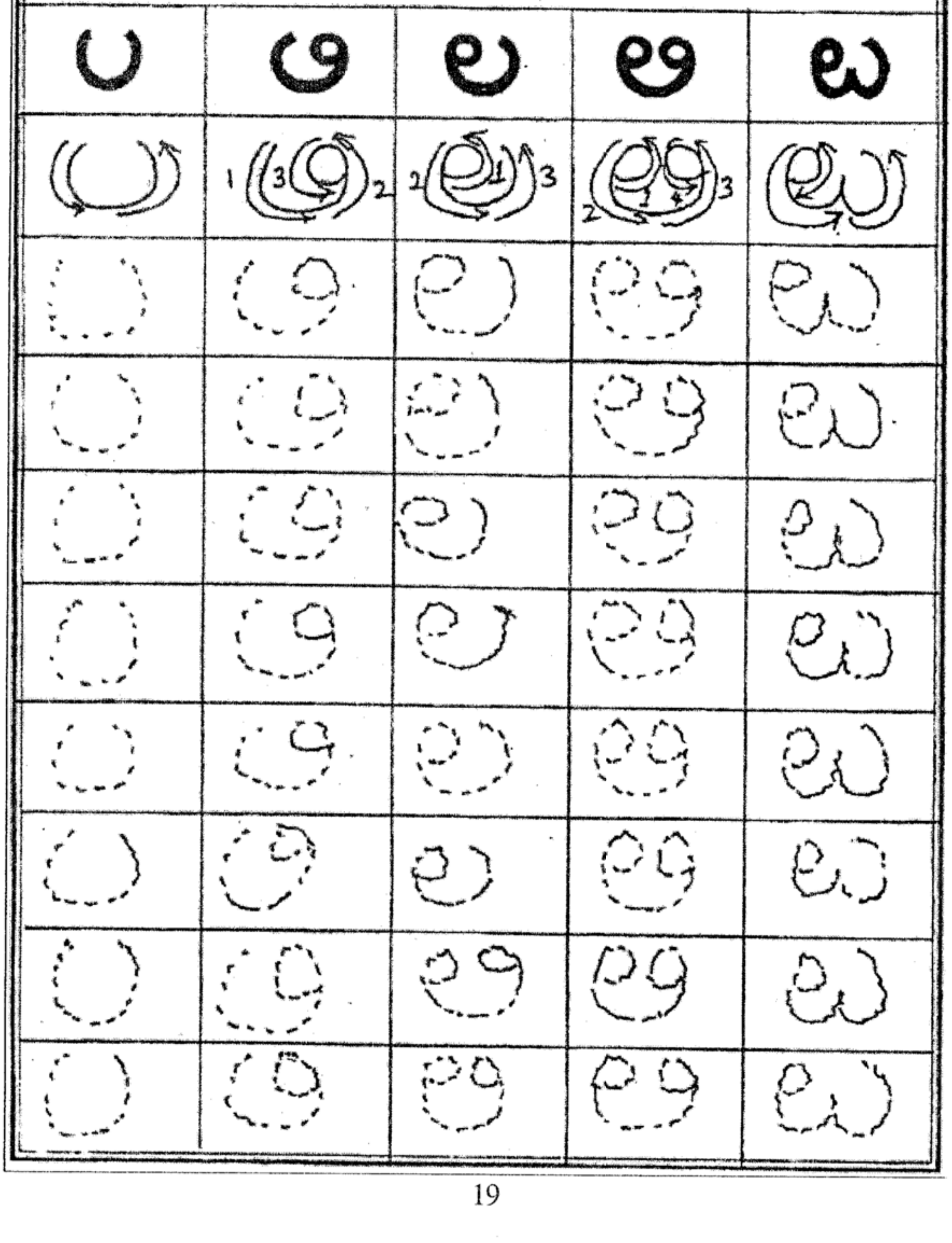

हेभेरना (अभ्यास)

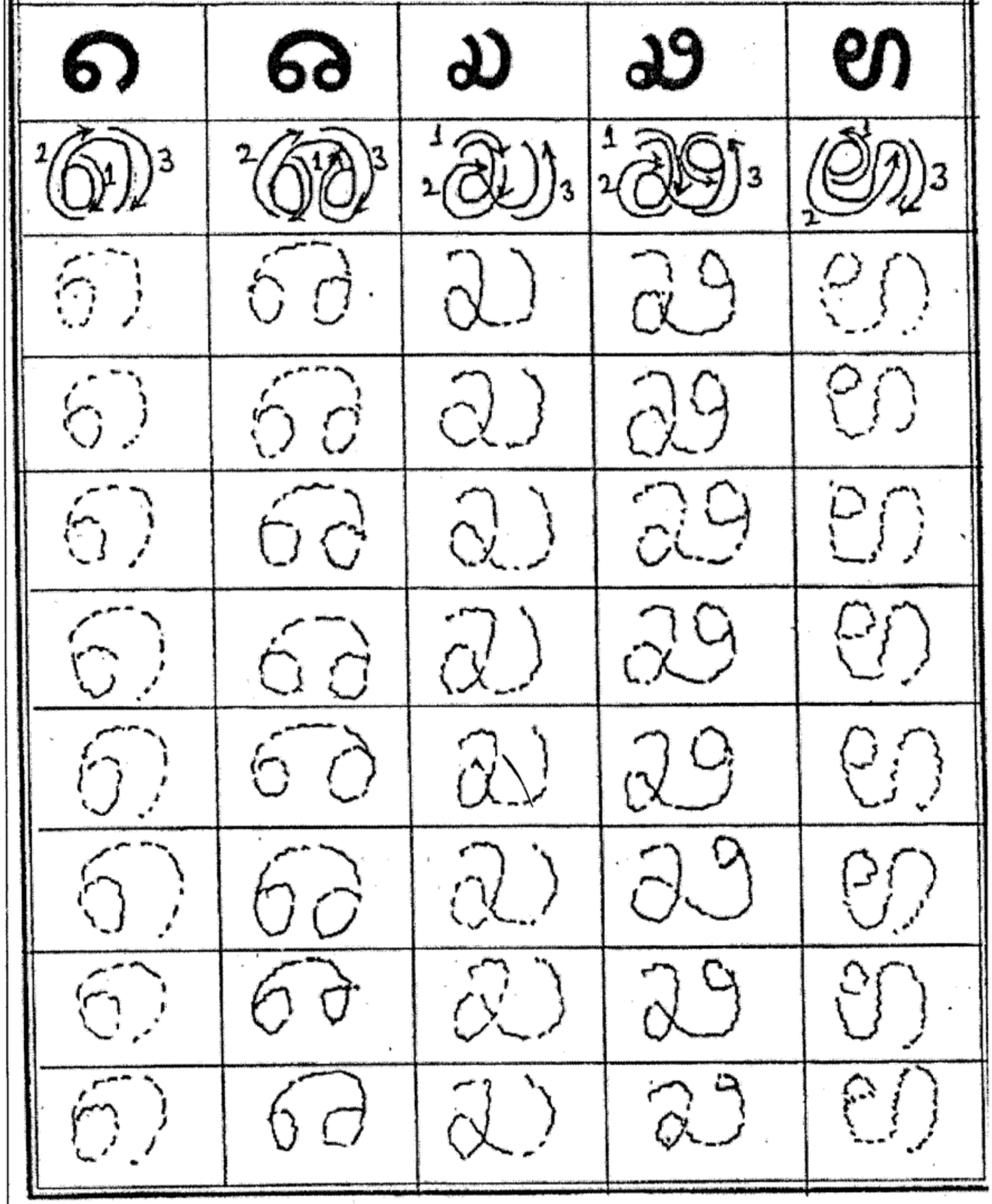

हेभेरना (अभ्यास)

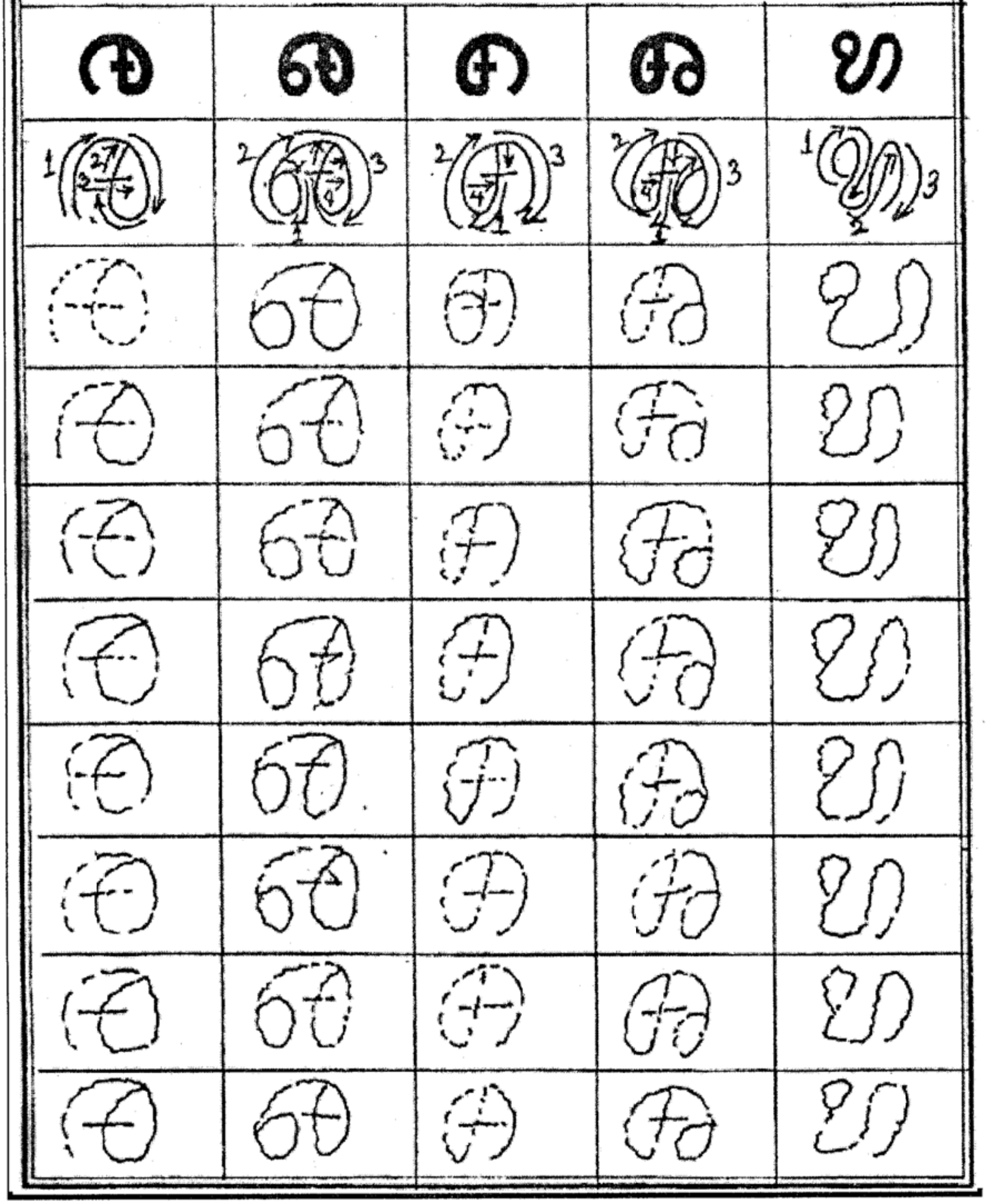

हेभेरना (अभ्यास)

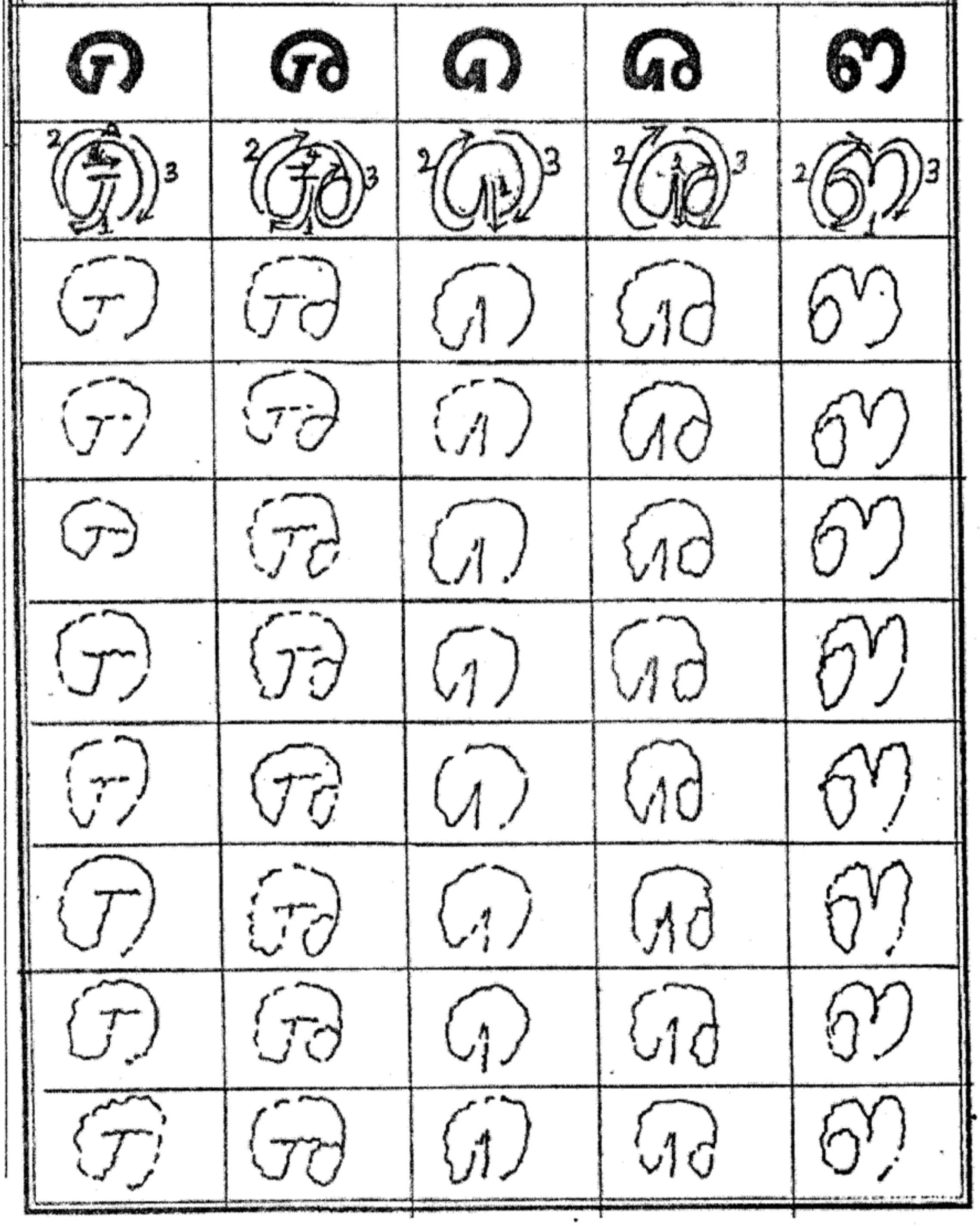

हेभेरना (अभ्यास)

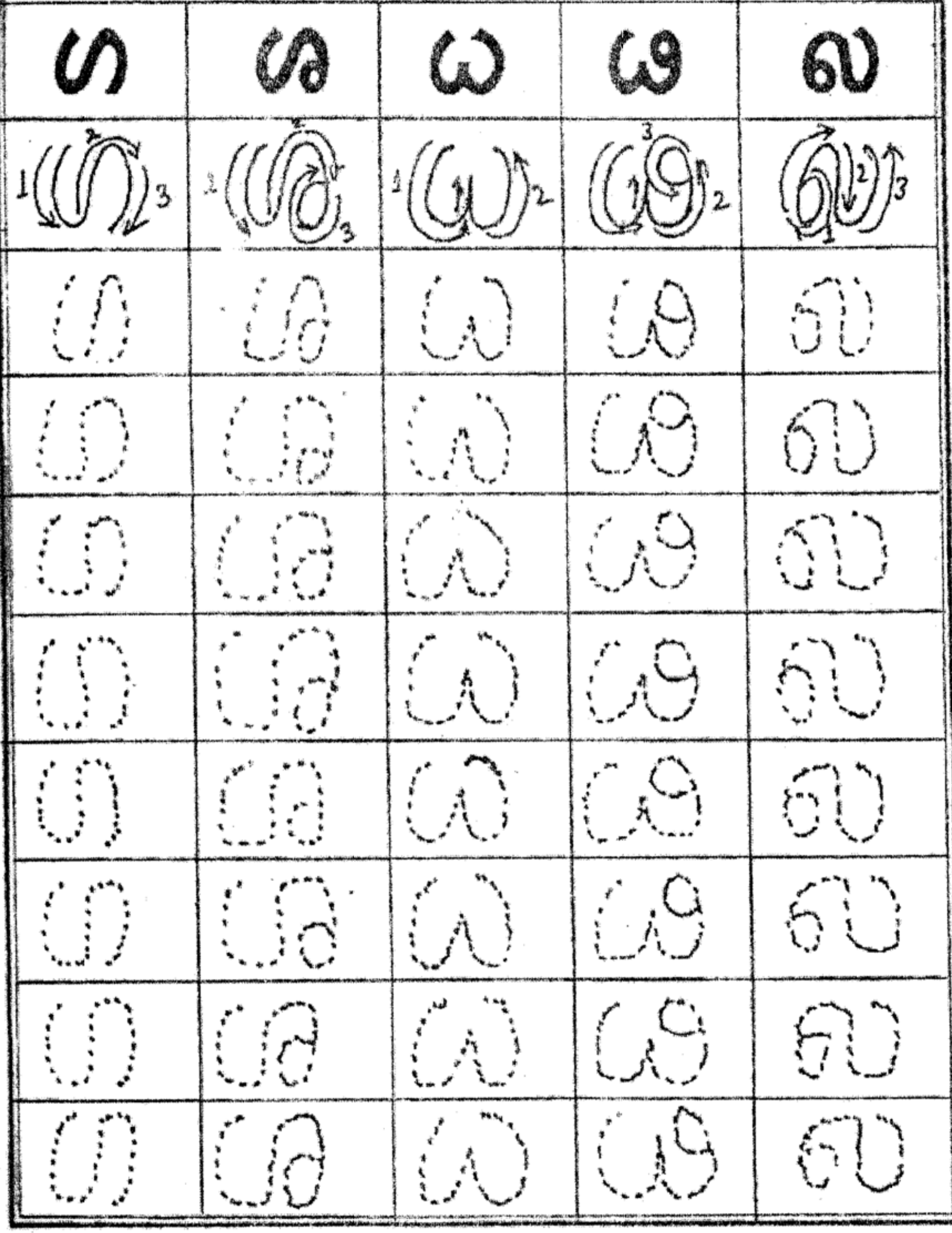

हेमेरना (अभ्यास)

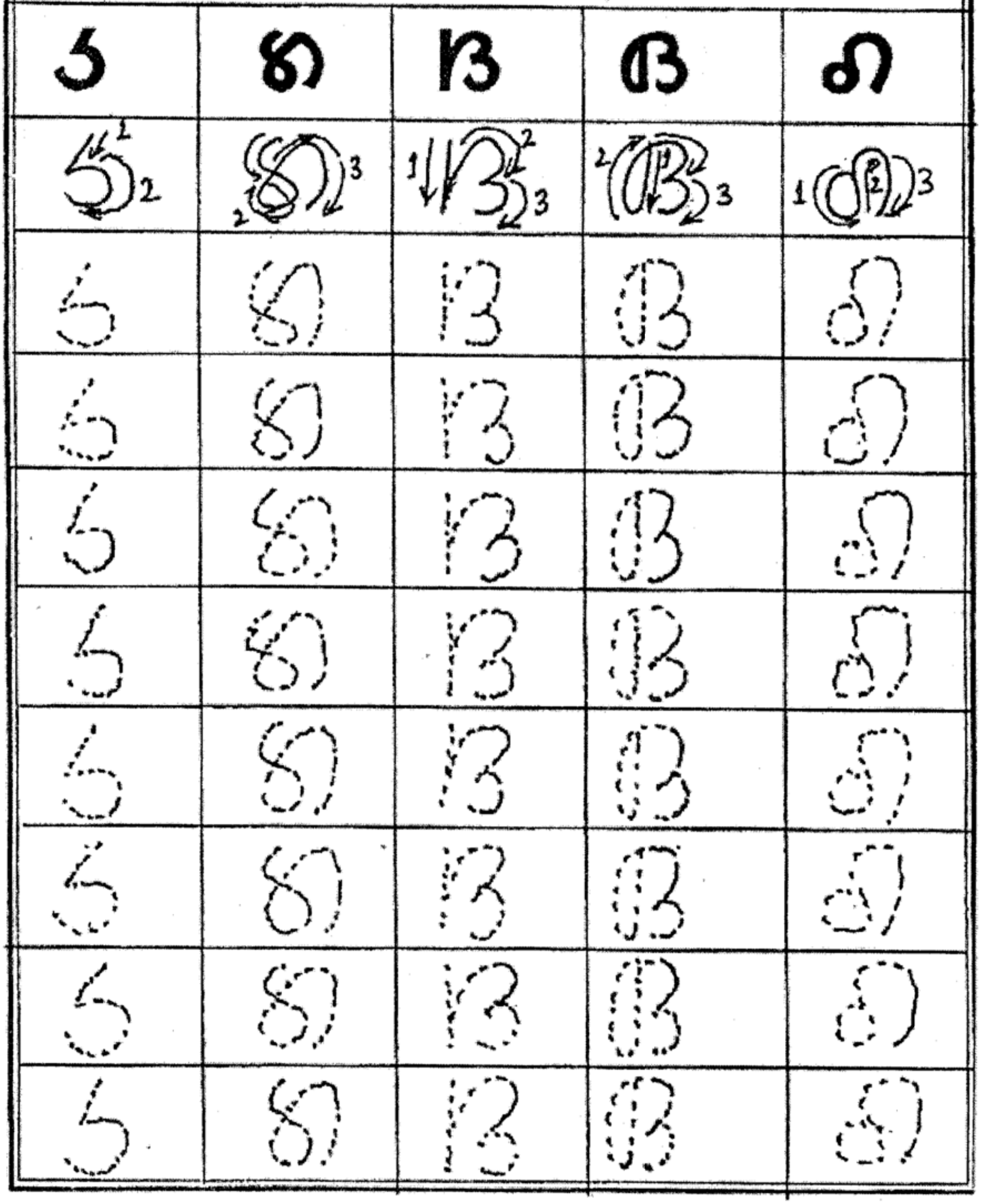

हेभेरना (अभ्यास)

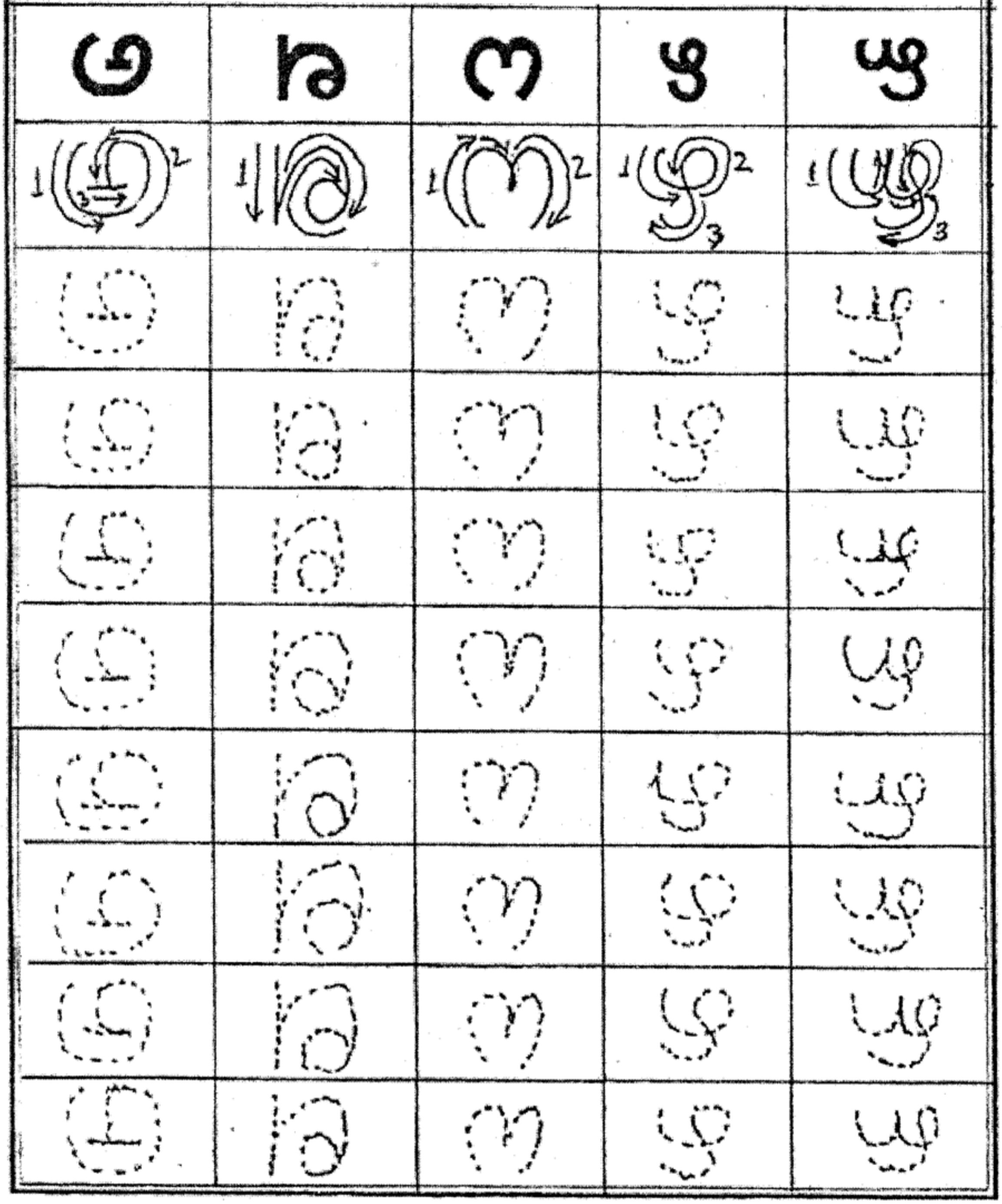

= ऐसे लिखें

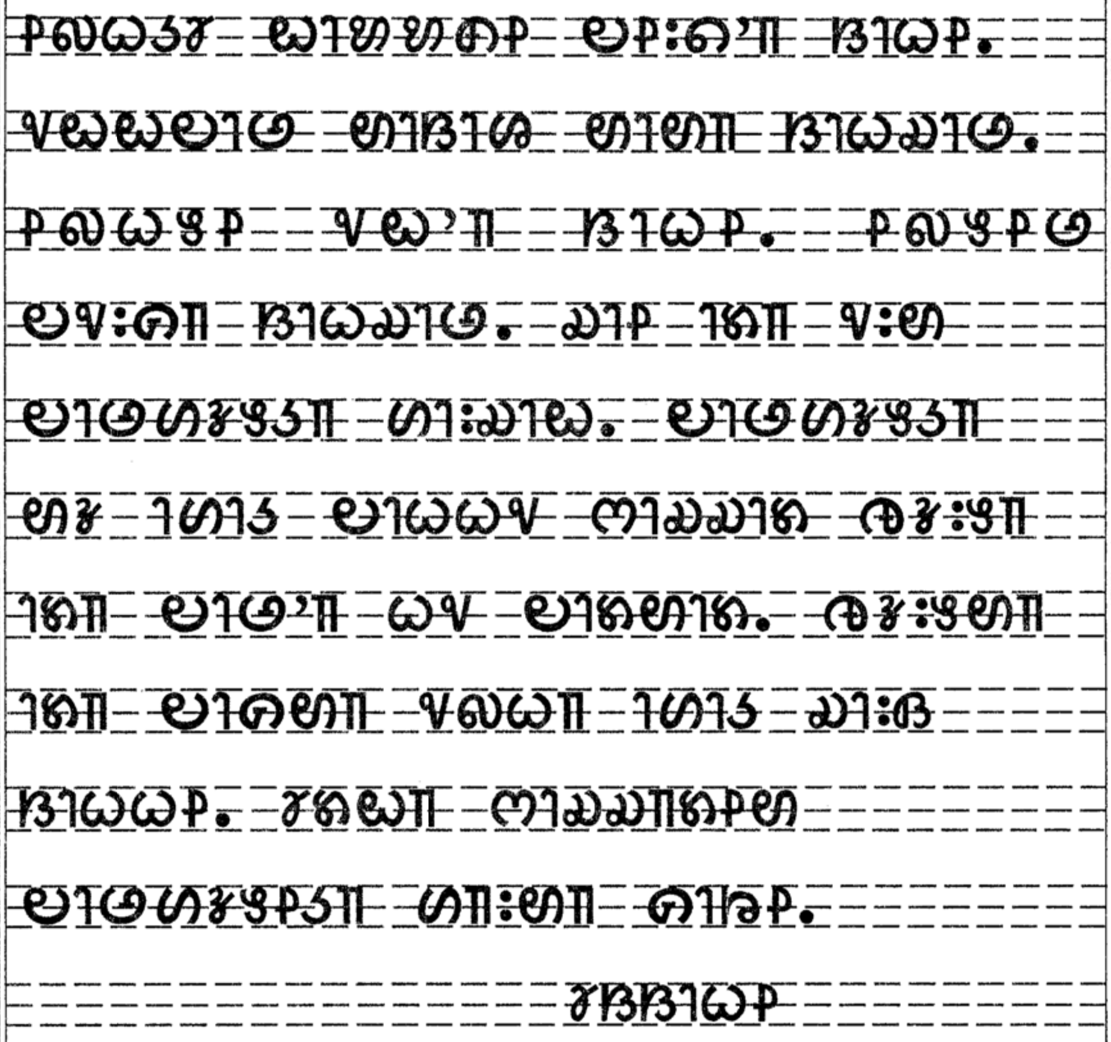

ध्यातव्य :– सबसे पहले तीन काल्पनिक रेखा खीचें। उपरी एवं निचली रेखा को अक्षर का क्रमशः उपरी एवं निचला सिरा स्पर्श करे, तथा वर्ण का आन्तरिक घुमाव मध्य रेखा को स्पर्श करे।

वर्ण विन्यास

1. [illegible] (ललमटिया)

ल् + अ + ल् + म + अ् + ट् + इ + य् + आ (हिज्जा)

L + A + L + M + A + T + I +Y + Ā (वर्ण व्यवस्था)

2. [illegible] (हिन्दुस्तान)

ह् + इ + न् + द् + उ + स् + त् + आ + न्

H + I + N + D + U + S + T +Ā + N

3. [illegible] (विद्यालय)

व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य्

V + I + D + Y + Ā + L + A + Y

4. [illegible] (रामेश्वरम)

र् + आ + म् + ए + भ + व् + अ + र् + अ + म्

R + Ā + M + E + SH + W + A + R + A + M

5. [illegible] (नागार्जुन)

न् + आ + ग् + आ + र् + ज् + उ + न्

N + Ā + G + Ā + R + J + U + N

6. [illegible] (लोहरदगा)

ल् + ओ + ह् + अ + र् + द् + अ् + ग् + आ

L + O + H + A + R + D + A + G + Ā

7. [illegible] (जमशेदपुर)

ज् + अ + म् + श् + ए + द् + प् + उ + र्

J + A + M + SH + E + D + P + U + R

सन्नी अरा दिगहा 'इ' गही चा:लो

[illegible]	(इदना)	=	चालू वर्ष	[illegible]	(ई:द)	=	यह
[illegible]	(इदना)	=	रोपना	[illegible]	(ई:री)	=	देखती है
[illegible]	(इड़ना)	=	भूनना	[illegible]	(ख़ी:री)	=	कहानी
[illegible]	(इबड़ा)	=	ये सब	[illegible]	(की:ड़ा)	=	भूख
[illegible]	(तितिर)	=	तीतर	[illegible]	(ती:नी)	=	मधुमक्खी
[illegible]	(तिरयो)	=	बाँसुरी	[illegible]	(बी:ड़ी)	=	सूर्य
[illegible]	(तिस्सा)	=	खट्टा	[illegible]	(बीं:ड़ी)	=	रानी
[illegible]	(बिड़ई)	=	धूप सेकना	[illegible]	(की:बा)	=	ओला
[illegible]	(टिड़ना)	=	गिराना	[illegible]	(ही:ड़ी)	=	नजदीक
[illegible]	(चिडरा)	=	गिलहरी	[illegible]	(ची:पो)	=	चुसेगी

सन्नी अरा दिगहा 'ए' गही चालो

[illegible]	(एड़पा)	=	घर	[illegible]	(ए:ड़ा)	=	बकरी
[illegible]	(एत्तना)	=	उतरना	[illegible]	(ए:रा)	=	देखो
[illegible]	(ढेरा)	=	ढेरा	[illegible]	(ख़े:ता)	=	दोना
[illegible]	(रेला)	=	बहुत	[illegible]	(ने:ला)	=	आने वाला कल
[illegible]	(मेला)	=	मेला	[illegible]	(पे:ठ)	=	बाजार
[illegible]	(केड़ा)	=	केला	[illegible]	(मेर)	=	धागा
[illegible]	(डेना)	=	डैना	[illegible]	(ख़ेर)	=	मुर्गी
[illegible]	(टेटे)	=	फतिंगा	[illegible]	(ख़ेंस)	=	खून
[illegible]	(तेताली)	=	इमली	[illegible]	(तेला)	=	केन्द

सन्नी अरा दिगहा 'उ' गही चाःलो

(उगी) = सिका			(उःरा) = झिंगुर	
(उगता) = हल			(उःख़ा) = अंधेरा	
(उसर) = बंजर			(उःरू) = गोबरैला	
(उइना) = रखना			(पूँःप) = फूल	
(मुका) = घुटना			(पूःरू) = पागल	
(मुक्का) = औरत			(मूःख़ी) = खाती है	
(हुका) = हुक्का			(मूःली) = जड़	
(हुदा) = ख्याति			(धूःली) = धूल	
(कुल्ला) = छाता			(कूःबी) = कुआँ	
(कुन्ना) = ताजा			(कूःरा) = पहनो	

सन्नी अरा दिगहा 'ओ' गही चाःलो

(ओसगा) = मूस	(ओःड़ा) = चिड़ियाँ
(ओरोत) = अकेला	(ओःसा) = मसरूम
(ओरमर) = सभी	(मोःड़ा) = मोरा
(ख़ोचोल) = हड्डी	(नोःड़ा) = धोओ
(होला) = हलुवा	(मोःचा) = काटो
(टोला) = टोली	(मोःख़ा) = खाओ
(टोना) = गाँठ	(बोःलो) = नवजात
(झोपा) = गुच्छा	(गोःदो) = घड़ियाल
(दोवा) = दुवा	(रोःगे) = रोग

सन्नी अरा दिगहा 'अ' गही चाःलो

[illegible]	(अयो)	=	माँ	[illegible]	(कलय)	=	जाओ
[illegible]	(अयंग)	=	माँ	[illegible]	(कला)	=	जाओ
[illegible]	(अड़ी)	=	घड़ा	[illegible]	(बरा)	=	आओ
[illegible]	(अना)	=	हे	[illegible]	(अतख़ा)	=	पत्ता
[illegible]	(अदिन)	=	उसे	[illegible]	(अमड़ी)	=	माँड़
[illegible]	(बंग)	=	पिताजी	[illegible]	(असमा)	=	रोटी
[illegible]	(बबा)	=	पिताजी	[illegible]	(अड़ख़ा)	=	साग
[illegible]	(मया)	=	दया	[illegible]	(अहड़ा)	=	मांस
[illegible]	(पया)	=	ताकत	[illegible]	(लकड़ा)	=	बाघ
[illegible]	(पटा)	=	पटा	[illegible]	(टटख़ा)	=	आम

सन्नी अरा दिघा 'आ' गही चालो

[illegible]	(आल)	=	आदमी	[illegible]	(आःली)	=	महिला
[illegible]	(आस)	=	वह	[illegible]	(आःलस)	=	पुरुष
[illegible]	(आद)	=	वह	[illegible]	(आःलर)	=	आदमी लोग
[illegible]	(चाक)	=	चक्का	[illegible]	(ख़ाःख़ा)	=	चिड़िया
[illegible]	(ख़ाड़)	=	नदी	[illegible]	(ताःका)	=	हवा
[illegible]	(घाटी)	=	दर्रा	[illegible]	(डाःड़ा)	=	डाली
[illegible]	(गांज)	=	ढेर	[illegible]	(पाःदा)	=	जड़
[illegible]	(खार)	=	नमकीन	[illegible]	(लाःता)	=	बिल
[illegible]	(घाघ)	=	जलप्रपात	[illegible]	(ताःची)	=	फुआ

लिपयन्तरण कर पढ़ें और हिन्दी में अर्थ लिखें

1. ओल्लगी ददा / दई / अयो / बबा !
2. ओल्लगी = प्रणाम,
3. उरमी कोड़े–कोड़ेम ? = सभी कुशल–मंगल तो है ?
4. निङहय एन्देर नामे ? = तुम्हारा क्या नाम है ?
5. एङहय नामे बिरसा वली = मेरा नाम बिरसा है ।
6. निम्मबस गही एन्देर नामे ? = तुम्हारे पिताजी का क्या नाम है ?
7. एम्मबस गही नामें बिरया तली = मेरे पिताजी का नाम बिरया है ।
8. नीन एन्देर काला लगदय ? = तुम कहाँ जा रहे हो ?
9. एन एड़पा काला लगदन = मैं घर जा रहा हूँ ।
10. इजगो बरा = इधर आओ ।
11. इसन ओक्का = यहाँ बैठो ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

26. [illegible]

27. [illegible]

28. [illegible]

29. [illegible] ?

30. [illegible]

31. [illegible]

32. [illegible]

33. [illegible]

34. [illegible] ?

35. [illegible]

36. [illegible]

37. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

61. [illegible]

62. [illegible]

63. [illegible]

64. [illegible]

65. [illegible]

66. [illegible]

67. [illegible]

68. [illegible]

69. [illegible]

70. [illegible]

71. [illegible]

72. [illegible]

73. [illegible]

୧୪. [illegible]

୧୫. [illegible]

୧୬. [illegible]

୧୭. [illegible]

୧୮. [illegible]

୧୯. [illegible]

୨୦. [illegible]

୨୧. [illegible]

୨୨. [illegible]

୨୩. [illegible]

୨୪. [illegible]

୨୫. [illegible]

*****

[illegible] = सर्वनाम

[illegible] एन / मैं	-	[illegible] / एम	-	हमलोग
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	
[illegible]	-	[illegible]	-	

ດກທ	-	ດກພ	-
ດາລຜາທ	-	ດາພາທ	-
ດາລຜາກ	-	ດາພາກ	-
ດາລຮາງ	-	ດາພຮາງ	-
ດາລທະ	-	ດາພລະ	-
ດາລດຈ	-	ດາພດຈ	-
ດາລດະຫະ	-	ດາພດະຫະ	-
ດາລຜາທບ	-	ດາພຜາທບ	-
ດາລດາຫກ	-	ດາພດາຫກ	-
ດາລຜະຟາທ	-	ດາພຜະຟາທ	-
ດາລຜະຟດບ	-	ດາພຜະຟດບ	-
ກ:ຟ	-	ກ:ຫ	-
ຈ:ຟ	-	ຈ:ຫ	-
ຮະ:ຟ	-	ຮະ:ຫ	-
ກ:ມ	-	ກ:ຫ	-
ຈ:ມ	-	ຈ:ຫ	-
ຮະ:ມ	-	ຮະ:ຫ	-
ໄບຮກ	-	ໄບຮາງ	-
	-	ໄບຮາຫ	-
ຈບຮກ	-	ຈບຮາງ	-
	-	ຈບຮາຫ	-
ຮະບຮກ	-	ຮະບຮາງ	-
	-	ຮະບຮາຫ	-
ທກພ	-		
ທາພກ	-		
ທາພຮາງ	-		

[illegible]

(इन शब्दों से वाक्य बनाएँ)

1. [illegible] -
2. [illegible] -
3. [illegible] -
4. [illegible] -
5. [illegible] -
6. [illegible] -
7. [illegible] -
8. [illegible] -
9. [illegible] -
10. [illegible] -
11. [illegible] -
12. [illegible] -
13. [illegible] -
14. [illegible] -
15. [illegible] -
16. [illegible] -
17. [illegible] -
18. [illegible] -
19. [illegible] -
20. [illegible] -
21. [illegible] -
22. [illegible] -
23. [illegible] -
24. [illegible] -

34. [illegible] -
35. [illegible] -
36. [illegible] -
37. [illegible] -
38. [illegible] -
39. [illegible] -
40. [illegible] -
41. [illegible] -
42. [illegible] -
43. [illegible] -
44. [illegible] -
45. [illegible] -
46. [illegible] -
47. [illegible] -
48. [illegible] -
49. [illegible] -
50. [illegible] -
51. [illegible] -
52. [illegible] -
53. [illegible] -
54. [illegible] -
55. [illegible] -
56. [illegible] -
57. [illegible] -
58. [illegible] -
59. [illegible] -

[illegible] = दिनों के नाम

पढ़ें और हिन्दी में लिखें

1. [illegible] - एतवार
2. [illegible] -
3. [illegible] -
4. [illegible] -
5. [illegible] -
6. [illegible] -
7. [illegible] -

[illegible]

महीनों के नाम

पढ़ें और हिन्दी में लिखें

1. [illegible] - चईत
2. [illegible] -
3. [illegible] -
4. [illegible] -
5. [illegible] -
6. [illegible] -
7. [illegible] -
8. [illegible] -
9. [illegible] -
10. [illegible] -
11. [illegible] -
12. [illegible] -

[illegible]

अंग्रेजी महीनों के नाम

पढ़ें और देवनागरी लिपि में लिखें

1. [illegible] - जनवरी
2. [illegible] - फरवरी
3. [illegible] - -----
4. [illegible] - -----
5. [illegible] - -----
6. [illegible] - -----
7. [illegible] - -----
8. [illegible] - -----
9. [illegible] - -----
10. [illegible] - -----
11. [illegible] - -----
12. [illegible] - -----

[illegible]

दिशाओं के नाम

पढ़ें और हिन्दी में लिपयन्त्रण करें

1. [illegible] (-----) = पूरब
2. [illegible] (-----) = पश्चिम
3. [illegible] (-----) = उत्तर
4. [illegible] (-----) = दक्षिण

[illegible]

फलों के नाम

पढ़ें और हिन्दी लिप्यन्त्रण कर अर्थ लिखें

1. [illegible] - टटख़ा – आम
2. [illegible] -
3. [illegible] -
4. [illegible] -
5. [illegible] -
6. [illegible] -
7. [illegible] -
8. [illegible] -
9. [illegible] -
10. [illegible] -
11. [illegible] -
12. [illegible] -
13. [illegible] -
14. [illegible] -
15. [illegible] -

[illegible]

जानवरों के नाम

पढ़ें और हिन्दी में लिप्यन्तरण करें और अर्थ लिखें

1. [illegible] – अड्डो – बैल
2. [illegible] –
3. [illegible] –
4. [illegible] –
5. [illegible] –
6. [illegible] –
7. [illegible] –
8. [illegible] –
9. [illegible] –
10. [illegible] –
11. [illegible] –
12. [illegible] –
13. [illegible] –
14. [illegible] –
15. [illegible] –

[illegible]

शरीर के अंग

पढ़ें और हिन्दी लिप्यन्त्रण कर अर्थ लिखें

1. [illegible] – कुक्क – सिर
2. [illegible] –
3. [illegible] –
4. [illegible] –
5. [illegible] –
6. [illegible] –
7. [illegible] –
8. [illegible] –
9. [illegible] –
10. [illegible] –
11. [illegible] –
12. [illegible] –
13. [illegible] –
14. [illegible] –
15. [illegible] –
16. [illegible] –
17. [illegible] –
18. [illegible] –
19. [illegible] –
20. [illegible] –
21. [illegible] –

11.	[illegible]	–
12.	[illegible]	–
13.	[illegible]	–
14.	[illegible]	–
15.	[illegible]	–
16.	[illegible]	–
17.	[illegible]	–
18.	[illegible]	–
19.	[illegible]	–
20.	[illegible]	–
21.	[illegible]	–
22.	[illegible]	–
23.	[illegible]	–
24.	[illegible]	–
25.	[illegible]	–
26.	[illegible]	–
27.	[illegible]	–
28.	[illegible]	–
29.	[illegible]	–
30.	[illegible]	–

[illegible] = अंगुलियों के नाम

1.	[illegible]	–
2.	[illegible]	–
3.	[illegible]	–
4.	[illegible]	–
5.	[illegible]	–

नाता – रिश्ता

पढ़ें और हिन्दी लिप्यन्त्रण कर अर्थ लिखें

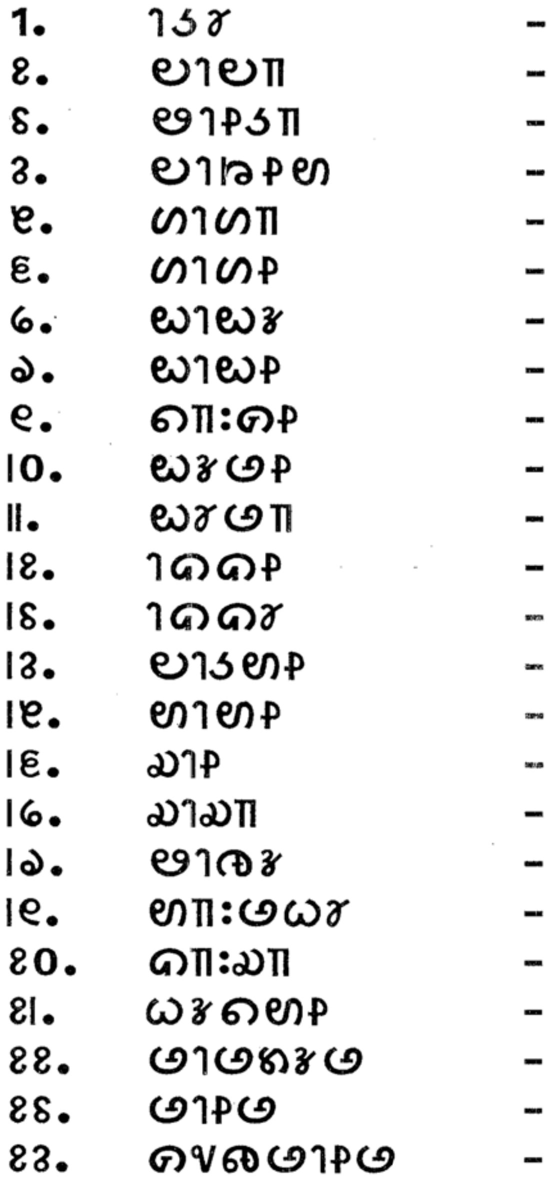

अयो – माँ

᱒᱕. ᱥᱤᱻᱦᱜ -
᱒᱖. ᱥᱤᱻᱦᱤ -
᱒᱗. ᱥᱟᱨᱱᱤ -
᱒᱘. ᱵᱟᱨᱱᱟᱡᱜ -
᱒᱙. ᱵᱟᱨᱱᱟᱡᱟᱥ -
᱓᱐. ᱫᱟᱜ -
᱓᱑. ᱫᱭᱦᱮ -
᱓᱒. ᱟᱡᱫᱮ -
᱓᱓. ᱟᱡᱫᱮᱥ -
᱓᱔. ᱢᱟᱜᱣᱱᱤ -
᱓᱕. ᱢᱟᱜᱣᱱᱜ -
᱓᱖. ᱭᱲᱧᱮ -
᱓᱗. ᱭᱲᱧᱮᱥ -
᱓᱘. ᱟᱨᱟᱞ -
᱓᱙. ᱵᱟᱞᱣ -
᱔᱐. ᱥᱟᱨ -
᱔᱑. ᱥᱟᱨᱫᱜ -
᱔᱒. ᱥᱟᱨᱞᱜ -
᱔᱓. ᱥᱭᱨᱤᱱ -
᱔᱔. ᱥᱭᱨᱤᱱᱜ -
᱔᱕. ᱵᱟᱨᱳᱜᱱ -
᱔᱖. ᱥᱟᱜᱛᱤ -
᱔᱗. ᱥᱟᱞᱱᱜ -
᱔᱘. ᱵᱟᱨᱥᱟᱷᱜ -

[illegible]

साग सब्जियों के नाम

पढ़ें और हिन्दी में लिप्यन्तरण कर अर्थ लिखें

1. [illegible] - अड़खा — साग
2. [illegible] -
3. [illegible] -
4. [illegible] -
5. [illegible] -
6. [illegible] -
7. [illegible] -
8. [illegible] -
9. [illegible] -
10. [illegible] -
11. [illegible] -
12. [illegible] -
13. [illegible] -
14. [illegible] -
15. [illegible] -
16. [illegible] -
17. [illegible] -
18. [illegible] [illegible] -
19. [illegible] -
20. [illegible] -
21. [illegible] -

कत्थ डण्डी अरा ख़ी:री खन्दहा / कविता एवं कहानी भाग

1. चेरे–बेरे

चेरे–बेरे, चेरे–बेरे,
चीं – चीं– चीं,
चेरे–बेरे, चेरे–बेरे,
दुदही–मण्डी ची।।2।।

चेरे–बेरे, चेरे–बेरे,
चीं – चीं – चीं,
चेरे–बेरे, चेरे–बेरे,
पेण्ठ–झूला ची।।2।।

चेरे–बेरे, चेरे–बेरे
चीं – चीं – चीं,
चेरे–बेरे, चेरे–बेरे,
किताब–पाटी ची।।2।।

चेरे–बेरे, चेरे–बेरे,
चीं – चीं – चीं,
चेरे–बेरे, चेरे–बेरे,
इसकुल का:ला ची।।2।।

साभार : चीं:चो डण्डी अरा ख़ी:री

2. मेना बा मेना

मेना बा मेना,
पाटी पिन्सुल चिआ।
इंगड़िस कालोस बचआ,
एःन मण्डी खटओन।

मेना बा मेना,
बही—बसता चिआ।
इंगड़िस कालोस इसकुल,
एःन नलख ननोन।

मला बिटी मला,
निंगड़िस अरा नीन,
संग्गेम काःलोर इसकुल,

अयंग—बंग, एःम एःड़ोम,
खटओ, ननोम, संग्गेम।

साभार : चींःचो डण्डी अरा ख़ीःरी

3. चकर–मकर

चकर मकर एःरदय,
अड्डो–मेक्खो ख़ापदय,
एःड़ा निङहय बोंग्गा,
चिगला चरा मंज्जा।

चकर मकर एःरदय,
एड़पा बली बेःचदय,
भेण्डो निंगहय बोंग्गा,
हुण्डरा चरा मंज्जा।

चकर मकर एःरदय,
लस्सा–ढुंगही ननदय,
बछिया निंगहय बोंग्गा,
हड़हा चरा मंज्जा।

लस्सा ढुंगही अम्मबा,
किताब–पाटी धरआ,
लूरकुड़िया कोरआ,
टूड़ा–बचआ सिखिरआ।

साभार : चीं:चो डण्डी अरा ख़ीःरी

4, चिंची—बुँची

चिंची—बुँची लग्गय,
पलख़ंज्जा ख़ंजअय,
इंगड़ी एःम मोःख़ोम।

चिंची—बुँची लग्गय,
कुहु पदा मनय,
इंगड़ी एःम मोःख़ोम।

चिंची—बुँची लग्गय,
गोसो मत्ती मनय,
इंगड़ी एःम मोःख़ोम।

चिंची—बुँची लग्गय,
पाको पकरी पाःनय
इंगड़ी एःम मोःख़ोम।

चिंची—बुँची लग्गय,
ख़द्दारिन मोःघअय,
संगे—संगे बेःचोम।

साभार : चीःचो डण्डी अरा ख़ीःरी

5. इंज्जो

इंज्जो–इंज्जो, उरमी इंज्जो,
अम्म उला रअ्उ इंज्जो।

धरआ का:लोय, धरआ पोल्लोय,
बोंग्गो चप्पो अम्म उला।

ख़ाड़–ख़ोसरा, तूसा–झरिया,
इंज्जो रअ्ई जुदा–जुदा।

नाल, पोखारी, बंधा, पँईड़ी,
अड्डा गईनका अनआ–मनआ।

छुड्डी–गईरसा, मईगरा–हरिया,
जल्ली हेबड़ा, धरआ ओथोरआ।

रेहु,–कतला, बाम्बी–बोवारी,
पोल्लोय धरआ, इबड़न अंधवारी।

इंज्जो तली अम्म ता आ:लो,
अम्म ती बहरी खेअ्ओ का:लो।

इबड़ा लेखेम उजगो मना,
द:व नना, मल'दव्न अम्मबा।

ड़ांग–बन्सी, फुही–चरा,
अम्बा नना, टूड़ा–बचआ।

साभार : चीं:चो डण्डी अरा ख़ी:री

6. ती:नी

ती:नी–ती:न'ई, ती:नी–ती:न'ई,
गुल्ले मिठई लेखआ ती:न'ई।

ती:नी–ती:न'ई, ती:नी–ती:न'ई,
अयंग दुद्ही लेखआ ती:न'ई।

हुड्डी ती:नी ओतोख़ रानी,
संग्गे–संग्गे ननी उनी।

लस्सी ती:नी छतना कम'ई,
घोघो रानी बी टिड़'ई।

लुड़ती, सुड़ती अरा भँवरो,
ढुढरी, भँड़की, ढोंगहा मन्न।

छछेम रओय डण्डी पा:ड़ो,
छछेड़ा बे:चोय, उतगो–को:ड़ो।

ती:नी रा:सी मन्दर–बिरो,
मोक्ख ए:रोय, ती:निन अख़ओय।

ती:नी लेखे नना–मना,
संग्गे मनर नना ओना।

साभार : चीं:चो डण्डी अरा ख़ी:री

7. बेरख़ा

कबरा, कसया, पंडरू बेरख़ा,
गुली, धुसरा, मोख़ारो बेरख़ा,
ख़द्दर गही संगी बेरख़ा।

ख़न्नद बिलची, बिलचो लेखआ,
कुक्कद रअ्ई लकड़ा लेखआ,
ख़द्दर गही संगी बेरख़ा।

असमा चिओय, असमा मोःख़ो,
मण्डी चिओय ओनो चप्पो,
दुदहिन एःरर बोंगते बर'ओ।

अल्लन ईरी एड़पा कुर'ई,
ओसगन ईरी धरई चप्पी,
ख़द्दर गने उक्की–बीःची।

नानी तिङगी, माःनी ख़ीःरी,
तली ईद लकड़ा मुसी, अँवती
ख़ोलन धरओय परमी चप्पी।

साभार : चींःचो डण्डी अरा ख़ीःरी

1. [illegible]

[illegible]

1 एःड़ा ख़द्द अरा पचगी लकड़ा

ओन्टे एःड़ा रहचा। अदी ही एँःड़ गोटंग ख़द्द (पठरू) रहचा। अबड़द तंग्गियो गने रआ लगिया। एँःड़ो ख़द्द संगे–संगे कुद्दा–नुंग्गा लगिया ।

उंदुल तंग्गियो एँःड़ो पठरून बाचा – इन्ना एःन डहुड़ा ओन्दोरआ परता तरा काला लगेन। नीम मड़ा नुम रअ्के, बहरी अमके उरखा। एन्ने पेःसअर, एःड़ा डहुड़ा बेद्दा परता तरा चला केरा।

एःड़ा ही टुनिया ख़द्द अजम चिलबिट रहचा। तंग्योन काःला चिच्चा अरा तंग्गियो ही बहरी उरूखतेम अबड़द हुँ बहरी उरखा केरा।

असन परता हेद्दे ओन्टे पँइड़ी रहचा। पँइड़ी कूटी–कूटी, हरियर ख़ोप्पा रहचा। अबड़ा पठरू बोःलो अतख़न मोख़ा हेल्लरा अरा डहुड़ा मोःख़ते किय्या तरा चला केरा।

पँईड़ी ही किय्या चोक्खे ओन्टे पचगी लकड़ा अम्म ओना लगिया । आद गेच्छातिम पठरून ईरिया। आद लोम–चोम्मरा दरा तंगआ ज़िया नु घोखचा – इन्ना एःन ई पठरू ख़द्दन मोःख़ोन किम रओन। अन्तिले आद पठरू हेद्दे केरा की बाःचा – अना भइगना गुट्ठी, एन्देर नना लगदर ? लकड़ा गही कत्था मेनर, पठरू इलिचया केरा। इलिचका ती अबड़द एन्देर हूँ बअ्आ पोल्ला अरा थोथमााःरआ हेल्लरा।

पठरून इलिचका एःरर, पचगी लकड़ा बाचा – मोःख़ा ! मोःख़ा ! एंग्गा हूँ ढेर उल्ला ती एन्दरा हूँ मोःख़ागे मल्ला ख़खरका। इन्ना एःन निमन मोःख़ोन दिम ! पठरू एलेचनुम बाःचा – अना ममू, एःम गा पुरहेम सन्नी रअ्दन। पचगी लकड़ा बाःचा – एंग्गा गे पठरू अजम एम्मबा लग्गी।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] - [illegible]

[illegible] :-

(1) [illegible] ?

(2) [illegible] ?

(3) [illegible] ?

****

पठरू घोखआ हेल्लरा, अदि ख़ोःख़ा बाःचा – हाँ ममू, माःख़ोय दिम, मुन्दा ओन्टे डण्डी पाःड़ा चिअ्आ, अदि ख़ोःख़ा एमन मोःख़के। पचगी लकड़ा बाःचा – एःन, डण्डी बलदन। पठरू बाःचा – इंग्गयो बअ्ई लकड़ा ममुस अजम दव डण्डी पाड़दस। अजगो काःलोर होले आस ती डण्डी मेनके।

एन्ने कत्था मेनर, पचगी लकड़ा अजम रिज्झरा दरा ख़न्नन मिंक्खया की अउवारआ हेल्लरा। अदी ही अउवारनन मेनर, आ चोक्खे तरती काःलू कोया अल्ला (बनयाँ अल्ला) ही झुण्डु बोंगते अँड़िसया की पचगी लकड़न झेकआ हेल्लरा। कोया अल्ला ही झुण्डुन एःरर पचगी लकड़ा इलिचया की पठरून अम्मबर परता तरा बोंग्गा केरा। पंग्गे एःरर एँःड़ो पठरूद बोंगते–बोंगते तमहय मंडा किर्रया केरा। तमहय मंडा अँड़सर पठरूद, तंगियोन उरमी कत्थन तिंग्गया, ख़ने तंग्गियो बरजाःचा – एन्ने अलहन तिम बछरआ गे, तंग्गियो–तम्मबर गही कत्थन मेनना मनी। मल मिनुर गे निमहँय बेसे (पठरू बेसे) ससईत ती झेकड़ारना मनी।

लूर–बूझ (शिक्षा) :– ख़द्दारिन, तंग्गियो–तम्मबर ही बरजाचकन मेनना चही, मला होले पठरू बेसे ससईत ती झेकड़ारना मनी।

मेनता अरा मेंजख़ा (सवाल–जबाब) :–

(1) एःड़ा, तंगहय ख़द्दन एन्देर बाःचा ?

(2) पठरू, पचगी लकड़न एन्देर बाःचा ?

(3) ई ख़ीःरी ती एन्देर लूर ख़खर'ई ?

****

2. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2 पोःक अरा हाथी

ओन्टा डअ्उ पोक रहचा। आद तंगआ ख़द्द ख़र्रा गने सोंगरा परता ता झबरा बड़ा मन्न गही पाःदा गुसन लाःता कमचकी रहचा। आद नितकिम, उल्ला बाःरी बेद्दा मोःख़ा काःला लगिया दरा किर्रर की ख़द्दर गने रअ्आ लगिया।

आ बड़ा एःख़ नुम ओन्टे हाथी हुँ बसा नंज्जकी रहचा। आद भईर उल्ला अजगो–इजगो कुद्दो–नुंग्गो की सथारआ गे बड़ा मन्न एःख नुम बरआ लगिया। हाथी कुद्दो–नुंग्गो बाःरी अंधवारी मन्न–मास गही नवतुन डाःड़ा गुट्ठीन एसआ–मुरचा की हेबड़ा चिअ्आ लगिया, अवंगे परता ता उरमी जिया–जउँत अदिन मल पइत्तआ लगिया। एका–एका बाःरी आद ख़ोसरा ती अम्म ओन्दोरअर की सन्नी–सन्नी आःलो मईय्याँ तुन्दा चिअ्आ लगिया। उरमी ती बग्गे, पोक गही लाःता–चुरी एःरर, अदिन तिरख़ा–नाःबा लगिया। सन्नी आःलोन डाःहआ खतरी हाथी गे रिज्झ लग्गा लगिया। हाथी गही ई नलखन एःरर डअ्उ पोःक अकय कयरारआ लगिया।

उन्दुल डअ्उ पोःक हाथिन बरजाःचा – अनय हाथी, नीन उरमी सन्नी जिया–जउँतन डाःहदी। ई नलखन नीन अम्मबय, मला होले उन्दुल नीन हुँ बुझुरओय! डअ्उ पोःक गही कत्थन मेनर, हाथी गरजाःरनुम बाःचा – छछेम र'अय, नीन अकय सन्नी रअ्दी। एःन एका बेसे ओंग्गोन अन्नेम रओन। बग्गे बओय होले निंग्गन हुँ तिरख़ोन की पिटोन चिओन।

हाथी गही धमकाचकन मेनर, डअ्उ पोःक अदिन अकिल सिखाबआ गे ताक बेद्दा हेल्लरा। बेड़ा कईट्टका ती उन्दुल पोःक गे मोका ख़क्खरा। उन्दल लोहाड़ी बाःरी हाथी परता तरती किर्रर, मन्न एःख़ नु सथारआ लगिया। आ बाःरीम डअ्उ पोक, छछेम गते–गते हाथी गही सूँःढ़ी नु कोरचा दरा उलम परमा हेल्लरा। हाथी नुंजना ती गरजारनुम अजगो–इजगो थसड़ा–थोसड़ा मना हेल्लरा। पँहेस अदि गही

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(1) [illegible] ?
(2) [illegible] ?
(3) [illegible] ?
(4) [illegible] ?
(5) [illegible] ?

****

जिया सलसंत मल मंज्जा। तसले आद बुज्झरा का आ नलख डअ्उ पोःक पाःली किर्तआ गे नंज्जकी रअई – ख़ने, आद डअ्उ पोःक ती बाःचा ! एंग्गन ख़ेवाँ (माफीनामा) ननके पोःक बहीन। एःन निंगहय कत्थन पोलकन बुझुरआ। नीन एका बेसे बओय अन्नेम ननोन। अक्कु नीन सूँःढ़ी ती बहरी उरखय। हाथी गही ओहरा– बिनतिन नननन मेनर पोःक बहरी उरखा।

पोःक ही सूँढ़ी ती बहरी उरूखना ती हाथी सलसंत मंज्जा अरा बाःचा एःन नेःकन हुँ मल डाःहओन। उरमी जिया–जउँत गने दुलार लेकन रओन। अउला तिम सोंगरा परता ता उरमी आःलो गने दव कुना साल–सुधी ती रअ्आ हेल्लरा।

लूर–बूझ :–

एकअम आःलोन सन्नी अरा पयाहा मल बुझुरना चही, मला होले हाथी बेसे पोक ती ख़ेवाँ (माफीनामा) नेअ्ना मनी।

मेनता अरा मेंजख़ा :–

1. डअ्उ प़ोःक एका गुसन रअ्आ लगिया ?
2. हाथी, परता ता आःलो गने एन्देर नना लगिया ?
3. डअ्उ पोःक, हाथिन एन्देर ब'अर बरजाःचा ?
4. डअ्उ पोःक, हाथिन एका बेसे अकिल सिखाबाःचा ?
5. ई ख़ीःरी ती एन्देर लूर–बूझ ख़खर'ई ?

****

कुँड़ुख़ गिनती का मानकीकरण स्वरूप

कुँड़ुख़ गिनती के सुगम एवं सरल रूप हेतु दिनांक 26.08.2000 एवं दिनांक 24.09.2001 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची में सम्पन्न हुए कार्यशाला में शून्य के लिए प्रस्तावित नामकरण 'निदि' को स्वीकार किया गया तथा शून्य वाली बड़ी संख्या का नाम दैनिक कार्यों के उपयोग में आने वाली वस्तुओं के नाम पर सहमति बनीं तथा गणित के अंकों की तरह 10 के गुणक में अंकों का नाम स्थापित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय गणित के अनुसार 20=2x10, 30=3x10, 40=4x10, 50=5x10, 60=6x10, 70=7x10, 80=8x10 तथा 90=9x10 समझा जाता है। गणित के इस सिद्धांत के आधार पर कुँड़ुख़ गिनती के अंक को – एँड़ x दोय = एन्दोय = 20, मून्दxदोय= मुन्दोय=30, नाख़xदोय=नाख़दोय=40, पंच्चेxदोय=पन्दोय=50, सोयxदोय=सोयदोय=60, साय़xदोय=सायदोय=70, आख़xदोय=आख़दोय=80, नायxदोय=नायदोय=90 की तरह समझा गया है। साथ ही कुँड़ुख़ विद्वतजनों का सुझाव पर कि कुँड़ुख़ गिनती एवं पहाड़ा का स्वरूप मधुर एवं सरल होने से हम सभी, आने वाली पीढ़ी को गणित सिखलाने में मददगार होंगे। इसके लिए निम्न बातें सामने आयीं – 1. गिनती का नामकरण 1 से 10 तक पूर्ववत रहे, जो हमारे पूर्वजों की धरोहर है। 2. शून्य का नामकरण 'निदि' को स्वीकार करते हुए गिनती का मानकीकरण हो। 3. पहाड़ा को सरलीकरण हेतु 10 के गुणक को अपनाया जाए। 4. बड़ी संख्या (दो से अधिक अंक वाले संख्या) के नामकरण हेतु दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं को आधार मानकर नामकरण किया जाए। इस सिद्धांत के आधार पर सौ, हजार, लाख, करोड़, अरब, खरब आदि संख्या की नाम रखा गया जो, इस प्रकार हैं – (क) 'सोड़ा' से **'सुड्डी'** शब्द हुआ जिसका अर्थ 'सौ' है। (ख) 'हुँड़ा' से **'हुड्डी'**, शब्द हुआ जिसका अर्थ 'हजार' है। (ग) 'लोंधा' से **'लुड्डी'** शब्द हुआ जिसका अर्थ 'लाख' है। (घ) कें:तेर से **'किड्डी'** शब्द हुआ जिसका अर्थ 'करोड़' है। (ड.) उड्डू से **'उड्डी'** शब्द हुआ जिसका अर्थ 'अरब' है। (च) खचा से से **'खुड्डी'** शब्द हुआ जिसका अर्थ 'खरब' है। इस प्रकार सुड्डी = सौ, हुड्डी = हजार, लुड्डी = लाख, किड्डी = करोड़, उड्डी = अरब, ख़ूड्डी = खरब नामकरण को स्वीकृति मिली। गिनती एवं पहाड़ा इसी पर आधारित है।

कुँड़ुख़ गिनती (लेखना)

ǀ	ǀǀ	ȣǀ	Ƨǀ	ʓǀ	एǀ	ɛǀ	ɕǀ	ঌǀ	ɘǀ
ȣ	ǀȣ	ȣȣ	Ƨȣ	ʓȣ	एȣ	ɛȣ	ɕȣ	ঌȣ	ɘȣ
Ƨ	ǀƧ	ȣƧ	ƧƧ	ʓƧ	एƧ	ɛƧ	ɕƧ	ঌƧ	ɘƧ
ʓ	ǀʓ	ȣʓ	Ƨʓ	ʓʓ	एʓ	ɛʓ	ɕʓ	ঌʓ	ɘʓ
ए	ǀए	ȣए	Ƨए	ʓए	एए	ɛए	ɕए	ঌए	ɘए
ɛ	ǀɛ	ȣɛ	Ƨɛ	ʓɛ	एɛ	ɛɛ	ɕɛ	ঌɛ	ɘɛ
ɕ	ǀɕ	ȣɕ	Ƨɕ	ʓɕ	एɕ	ɛɕ	ɕɕ	ঌɕ	ɘɕ
ঌ	ǀঌ	ȣঌ	Ƨঌ	ʓঌ	एঌ	ɛঌ	ɕঌ	ঌঌ	ɘঌ
ɘ	ǀɘ	ȣɘ	Ƨɘ	ʓɘ	एɘ	ɛɘ	ɕɘ	ঌɘ	ɘɘ
ǀ0	ȣ0	Ƨ0	ʓ0	ए0	ɛ0	ɕ0	ঌ0	ɘ0	ǀ00

0	–	निदि	0	ǀঌ	–	दोयआख़	18
ǀ	–	ओंद	1	ǀɘ	–	दोयनाय	19
ȣ	–	एँड़	2	ȣ0	–	एन्दोय	20
Ƨ	–	मून्द	3	ȣǀ	–	एन्दोओंद	21
ʓ	–	नाख़	4	ȣȣ	–	एन्दोएँड़	22
ए	–	पंच्चे	5	ȣƧ	–	एन्दोमून्द	23
ɛ	–	सोय	6	ȣʓ	–	एन्दोनाख़	24
ɕ	–	साय	7	ȣए	–	एन्दोपंच्चे	25
ঌ	–	आख़	8	ȣɛ	–	एन्दोसोय	26
ɘ	–	नाय	9	ȣɕ	–	एन्दोसाय	27
ǀ0	–	दोय	10	ȣঌ	–	एन्दोआख़	28
ǀǀ	–	दोयओंद	11	ȣɘ	–	एन्दोनाय	29
ǀȣ	–	दोयएँड़	12	Ƨ0	–	मुन्दोय	30
ǀƧ	–	दोयमून्द	13	Ƨǀ	–	मुन्दोओंद	31
ǀʓ	–	दोयनाख़	14	Ƨȣ	–	मुन्दोएँड़	32
ǀए	–	दोयपंच्चे	15	ƧƧ	–	मुन्दोमून्द	33
ǀɛ	–	दोयसोय	16	Ƨʓ	–	मुन्दोनाख़	34
ǀɕ	–	दोयसाय	17	Ƨए	–	मुन्दोपंच्चे	35

8ɛ	–	मून्दोसोय	36
86	–	मून्दोसाय	37
8ɷ	–	मून्दोआख़	38
8e	–	मून्दोनाय	39
30	–	नाख़दोय	40
3l	–	नाख़दोओंद	41
3ȣ	–	नाख़दोएँड़	42
38	–	नख़दोमून्द	43
33	–	नाख़दोनाख़	44
3ᑫ	–	नाख़दोपंच्चे	45
3ɛ	–	नाख़दोसोय	46
36	–	नाख़दोसाय	47
3ɷ	–	नाख़दोआख़	48
3e	–	नाख़दोनाय	49
ᑫ0	–	पन्दोय	50
ᑫl	–	पन्दोओन्द	51
ᑫȣ	–	पन्दोएँड़	52
ᑫ8	–	पन्दोमून्द	53
ᑫ3	–	पन्दोनाख़	54
ᑫᑫ	–	पन्दोपंच्चे	55
ᑫɛ	–	पन्दोसोय	56
ᑫ6	–	पन्दोसाय	57
ᑫɷ	–	पन्दोआख़	58
ɛe	–	पन्दोनय	59
ɛ0	–	सोयदोय	60
ɛl	–	सोयदोओंद	61
ɛȣ	–	सोयदोएँड़	62
ɛ8	–	सोयदोमून्द	63
ɛ3	–	सोयदोनाख़	64
ɛᑫ	–	सोयदोपंच्चे	65
ɛɛ	–	सोयदोसोय	66
ɛ6	–	सोयदोसाय	67
ɛɷ	–	सोयदोआख़	68
ɛe	–	सोयदोनाय	69
60	–	सायदोय	70
6l	–	सायदोओन्द	71
6ȣ	–	सायदोएँड़	72
68	–	सायदोमून्द	73
63	–	सायदोनाख़	74
6ᑫ	–	सायदोपंच्चे	75
6ɛ	–	सायदोसोय	76
66	–	सायदोसाय	77
6ɷ	–	सायदोआख़	78
6e	–	सायदोनाय	79
ɷ0	–	आख़दोय	80
ɷl	–	आख़दोओंद	81
ɷȣ	–	आख़दोएँड़	82
ɷ8	–	आख़दोमून्द	83
ɷ3	–	आख़दोनाख़	84
ɷᑫ	–	आख़दोपंच्चे	85
ɷɛ	–	आख़दोसोय	86
ɷ6	–	आख़दोसाय	87
ɷɷ	–	आख़दोआख़	88
ɷe	–	आख़दोनाय	89
e0	–	नायदोय	90
el	–	नायदोओन्द	91
eȣ	–	नायदोएँड़	92
e8	–	नायदोमून्द	93
e3	–	नायदोनाख़	94
eᑫ	–	नायदोपंच्चे	95
eɛ	–	नायदोसोय	96
e6	–	नायदोसाय	97
eɷ	–	नायदोआख़	98
ee	–	नायदोनाय	99
l00	–	सुड्डी	100

अड्डा मुल्ली (स्थानीय मान)

ओंदिम	–	इकाई	–	1	–	ओन्द
दोयिम	–	दहाई	–	10	–	दोय
सुडिम	–	सैकड़ा	–	100	–	सुड्डी
हुडिम	–	हजार	–	1000	–	हुड्डी
दोय हुडिम	–	दस हजार	–	10000	–	दोय हुड्डी
लुडिम	–	लाख	–	100000	–	लुड्डी
दोय लुडिम	–	दस लाख	–	1000000	–	दोय लुड्डी
किडिम	–	करोड़	–	10000000	–	किड्डी
दोय किडिम	–	दस करोड़	–	100000000	–	दोय किड्डी
उडिम	–	अरब	–	1000000000	–	उड्डी
दोय उडिम	–	दस अरब	–	10000000000	–	दोय उड्डी
ख़ूडिम	–	खरब	–	100000000000	–	खुड्डी
दोय ख़ूडिम	–	दस खरब	–	1000000000000	–	दोय खुड्डी
सुड्डी ख़ूडिम	–	सौ खरब	–	$10^2 x 10^{11} = 10^{13}$	–	सुड्डी ख़ूड्डी
हुड्डी ख़ूडिम	–	हजार खरब	–	$10^3 x 10^{11} = 10^{14}$	–	हुड्डी ख़ूड्डी
लुड्डी ख़ूडिम	–	लाख खरब	–	$10^5 x 10^{11} = 10^{16}$	–	लुड्डी ख़ूड्डी
किड्डी ख़ूडिम	–	करोड़ खरब	–	$10^7 x 10^{11} = 10^{18}$	–	किड्डी ख़ूड्डी
उड्डी ख़ूडिम	–	अरब खरब	–	$10^9 x 10^{11} = 10^{20}$	–	उड्डी ख़ूड्डी
ख़ूड्डी ख़ूडिम	–	खरब खरब	–	$10^{11} x 10^{11} = 10^{22}$	–	ख़ूड्डी ख़ूड्डी

ओन्दता – पहला	नाख़ता – चौथा	सायता – सातवाँ	दोयता – दसवाँ
एँड़ता – दूसरा	पानता – पाचवाँ	आख़ता – आठवाँ	दोयओन्दता – ग्यारहवाँ
मून्दता – तीसरा	सोयता – छठवाँ	नायता – नवाँ	एन्दोओन्दता – एकीसवाँ

बक्क नु टूड़ना (शब्दों में लिखें)

1 एक सौ पैंतीस – ओंद सुड्डी मून्दोपंच्चे।

2 चार हजार पाँच सौ सैंतीस – नाख़ हुड्डी पंच्चे सुड्डी मून्दोसाय।

3 बाइस हजार सात सौ सैंतीस – एन्दोएँड़ हुड्डी साय सुड्डी मून्दोसाय।

4 पाँच लाख आठ हजार एकासी – पंच्चे लुड्डी आख़ हुड्डी आख़दोओन्द।

गणित के जानकारों का सुझाव है कि कुँड़ुख़ गिनती और पहाड़ा में, परम्परा के साथ ऐसी शैली विकसित हो, जो छोटे सिलेबल का हो, बच्चे आसानी से समझें और याद कर सकें! संशोधन, इसी उद्देश्य के लिए है।

तोलोंग सिकि (लिपि) टाईप सिखिरना गही सेब्बा डहरे (टाइप सीखने की आसान विधि) - 2017

a	अ	j	ज्	s	स्
shift a	आ	shift j	झ्	shift s	सुला
b	ब्	k	क्	t	ट्
shift b	भ्	shift k	ख्	shift t	ठ्
c	च्	l	ल	u	उ
shift c	छ्	shift l	घेतला	shift u	उफा
d	ड्	m	म्	v	व्
shift d	ढ्	shift m	मितला	shift v	ञ्
e	ए	n	न्	w	द्
shift e	एवाँ	shift n	ण्	shift w	ध्
f	फहा	o	ओ	x	ख़्
shift f	फॉवा	shift o	ओड्गु	shift x	ङ्
g	ग्	p	प्	y	य्
shift g	घ्	shift p	फ्	shift y	ञ्
h	ह्	q	त्	z	ड़्
shift h	हेचका	shift q	थ्	shift z	ढ़्
i	इ	r	र्		
shift i	इला	shift r	रेवाँ		

तोलोङ सिकि टाईप ननना नु संगरा चिनहाँ (तोलोङ लिपि टाईप में सहायक चिन्ह)

`	समसी	7	7 सये	]	] कोंहाडेला फेर
~	~ लमसी	&	सेंगा	}	} मझिलडेला फेर
1	1 ओन्द	8	8 आख़	\	= हिलि (लघु)
!	! हयकट	*	* टूड़ बीनको	|	हिदि (गुरू)
2	2 ऍड़	9	9 नाय	;	; मिचरी टूड़ा
@	@ एदर'ओ	(	(सन्नीडेला ओर	:	: सेला
3	3 मून्द	0	0 निदि	'	' ओंदख़ा जला
#	÷ भाग	)	) सन्नीडेला फेर	"	" दोहड़ा जला
4	4 नाख़	-	- पचा/घटाव	,	, उचरी टूड़ा
$	₹ रूपया	_	X गुना	<	< जुक्की
5	5 पंच्चे	=	= बराबरी	.	. गहला टूड़ा
%	% परसी	+	+ जोड़	>	> बग्गे
6	6 सोये	[	[कोंहाडेला ओर	/	/ मेलता
^	सेवाँ	{	{ मझिलडेला ओर	?	? मेनता

Kelly Tolong (Tolong Siki) Keyboard Layout

Full Copyright : kelly Tolong Font (Designed by) KITS (Kislaya IT Services)

Free Download from NewsWing.com

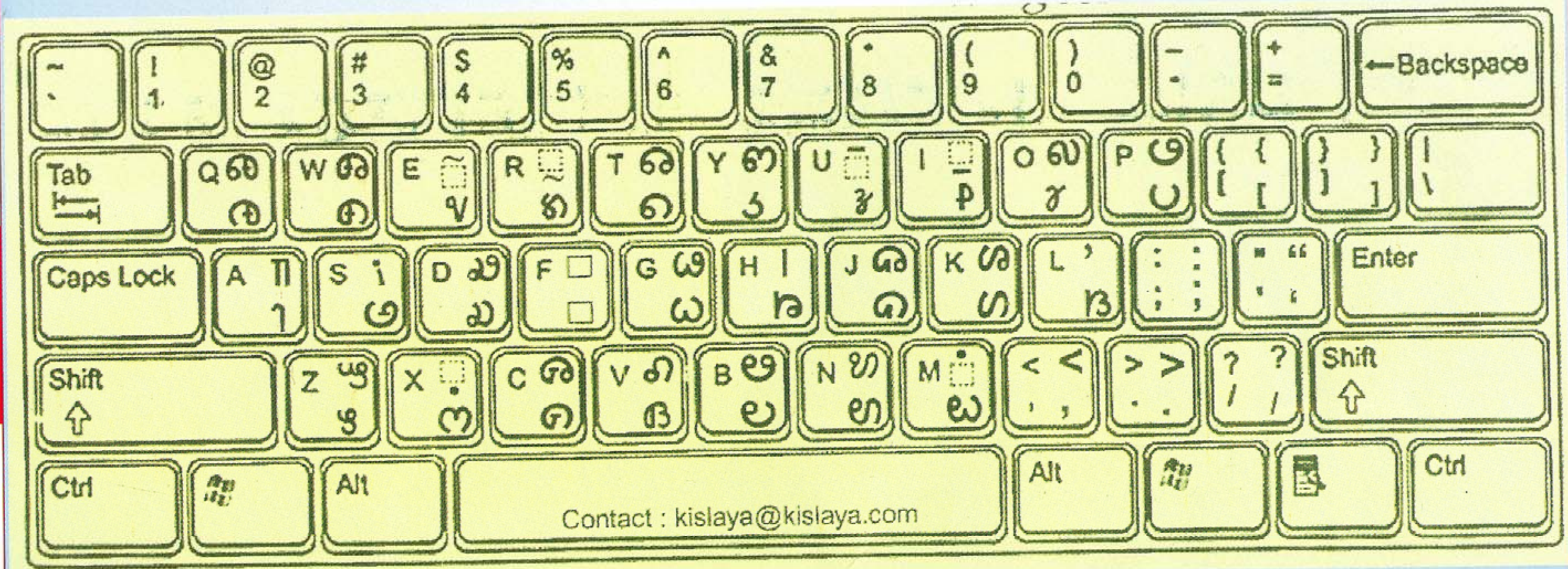

तोलोंग सिकि (लिपि) में अंकों (1, 2, 3 ......9) के लिए Alt + 0161 से Alt + 0169 तक प्रयोग करें ।

जैसे :- Alt + 0161 = l, Alt + 0162 = 8, Alt + 0163 = 8 ..... Alt + 0169 = e.

Printed at : Catholic Press, Ranchi - 834001
(0651) 2350417 / 9234300625 / e-mail : rancpr@yahoo.co.in